संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-322 सोमवार,25 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

खालिस्तानी आतंकियों पर एनआईए की बड़ी कार्यवाही

19 खालिस्तानी आतंकियों की लिस्ट की जारी,संपत्ति जब्त करने की तैयारी,बंद होगा कमाई का जरिया

» **एनआईए ने भारत में प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' के प्रमुख गुरुपतवंत सिंह पन्नू की पंजाब के अलग-अलग शहरों और जगहों पर स्थित संपत्तियों को जब्त कर लिया है और अन्य 19 भगोड़े खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऐसी ही कार्रवाई करने की तैयारी में है...**

नई दिल्ली,24 सितंबर2023(ए)। खालिस्तााानी चरमपंथियों को लेकर पनपे भारत-कनाडा विवाद के बीच एनआईए ने कार्रवाई तेज कर दी है। एनआईए ने भारत में प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' के प्रमुख गुरुपतवंत सिंह पन्नू की पंजाब के अलग-अलग शहरों और जगहों पर स्थित संपत्तियों को जब्त कर लिया है और अन्य 19 भगोड़े खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऐसी ही कार्रवाई करने की तैयारी में है। इन भगोड़ों की लिस्ट तैयार हो गई है, जिसमें कुल 19 नाम शामिल हैं। अब सरकार इनके आर्थिक स्त्रोत को बंद करने पर काम कर रही है। इस लिस्ट में ऐसे कई लोग शामिल हैं जो विदेश में बैठकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। एनआईए सूत्रों के मुताबिक ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, दुबई, पाकिस्तान सहित दूसरे देशों में रह रहे भगोड़े खालिस्तानियों की भारत में तमाम संपत्तियां जब्त होंगी। एनआईए के सेक्शन 33(5) के तहत ये संपत्तियां जब्त की जाएंगी। इन सभी भगोड़े खालिस्तानियों की भारत स्थित संपत्तियां एनआईए के सेक्शन 33(5) के तहत जब्त होंगी। ये खालिस्तानी आतंकी विदेशी धरती से भारत विरोधी प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। आपको बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कुछ दिन पहले ही 43 भगोड़ों की एक और लिस्ट जारी की थी। एनआईए ने अमृतसर के गांव खानकोट में गुरुपतवंत सिंह पन्नू की 46 कनाल जमीन जब्त कर ली है। यह एग्रीकल्चर लैंड है। खानकोट पन्नू का पैतृक गांव है। वहीं चंडीगढ़ के सेक्टर 15सी में उसका घर भी एनआईए ने जब्त कर लिया है। इससे पहले 2020 में उसकी संपत्तियों को अटैच किया गया था। कानूनी तौर पर अब पन्नू इन संपत्तियों का मालिक नहीं रहा। ये प्रॉपर्टीज अब सरकार की हो गई हैं। भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूपा के तहत पन्नू के संगठन एसएफजी पर 2019 में बैन लगा दिया था। इससे संबंधित गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया था कि सिख रेफरेंडम की आड़ में सिख फॉर जस्टिस संगठन पंजाब में अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा दे रहा है।

एनआईए की ताजा जारी हुई सूची में निम्न नाम हैं शामिल ...

1.परमजीत सिंह पम्मा- ब्रिटेन
2.वाधवा सिंह बब्बर- पाकिस्तान
3.कुलवंत सिंह मुठड़ा- ब्रिटेन
4.जेएस धालीवाल- अमेरिका
5.सुखपाल सिंह- ब्रिटेन
6.हरप्रीत सिंह उर्फ राना सिंह- अमेरिका
7.सरबजीत सिंह बेनूर- ब्रिटेन
8.कुलवंत सिंह उर्फ कांता- ब्रिटेन
9.हारजप सिंह उर्फ जप्पी सिंह- अमेरिका
10.रणजीत सिंह नीता- पाकिस्तान
11.गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा बाबा- कनाडा
12.गुरप्रीत सिंह उर्फ बागी- ब्रिटेन
13.जसमीत सिंह हकीमजादा- दुबई
14.गुरजंत सिंह ढिल्लन- ऑस्ट्रेलिया
15.लखबीर सिंह रोड़े- कनाडा
16.अमरदीप सिंह पूरेवाल- अमेरिका
17.जतिंदर सिंह ग्रेवाल- कनाडा
18.दुपिंदर जीत- ब्रिटेन
19.एस. हिम्मत सिंह- अमरीका

मोदी ने महिलाओं को धोखा दिया

बेंगलुरु,24 सितंबर 2023 (ए)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने महिला आरक्षण विधेयक की राह में रोड़े 'पैदा' कर महिलाओं को 'धोखा' देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की है। सिद्दारमैया कहा कि जनगणना, परिसीमन और कानून को प्रभावी होने में लगने वाला अधिक समय जैसी बाधाओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पाखंड उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2026 में जनगणना के बाद ही लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक के लिए 15 साल की समाप्ति तिथि तय की है।

11 राज्यों को पीएम मोदी की बड़ी सौगात

» **9 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी; बोले-वो दिन दूर नहीं जब...**

नई दिल्ली,24 सितंबर2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को देश के 11 राज्यों के विभिन्न गंतव्यों को जोड़ने वाली नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में पहले से ही 25 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और अब 9 और ट्रेनें जोड़ी गई हैं। वह दिन दूर नहीं, जब ये ट्रेन देश के सभी हिस्सों को जोड़ेगी। रेल मंत्रालय ने आज यहां बताया कि ये नई वंदे भारत ट्रेनें देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार और रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम हैं।

जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई वे उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस, हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, विजयवाड़ा चेन्नई (बारास्ता रेनिगुंटा) वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस, रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस तथा जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस हैं। ये नौ ट्रेनें ग्यारह राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा,झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी के साथ साथ पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 9 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा वंदे भारत ट्रेन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इनमें 1,11,00,000 से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं। जिस रूट पर ट्रेनों को प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दी है उस पर वर्तमान में सबसे तेज़ ट्रेन की तुलना में, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे तेज़ होंगी। ये वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें अपने संचालन के मार्गों पर सबसे तेज़ ट्रेन होंगी और यात्रियों का काफी समय बचाने में मदद करेंगी। मार्ग पर वर्तमान सबसे तेज़ ट्रेन की तुलना में, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे तेज़ होंगी। हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस 2.5 घंटे से अधिक, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक तथा रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब एक एक घंटे की बचत करेंगी। जबकि उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग आधे घंटे का समय बचाएगी।

देश भर में महत्वपूर्ण धार्मिक स्थानों की कनेक्टिविटी में सुधार करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पुरी और मदुरै के महत्वपूर्ण धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। इसके अलावा, विजयवाड़ा-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेनिगुंटा मार्ग से संचालित होगी और तिरुपति तीर्थस्थल के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

रेल मंत्रालय के अनुसार इन वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत से देश में रेल सेवा के एक नए मानक की शुरुआत होगी। विश्व स्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों, छात्र समुदाय और पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित और आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होंगी।

2000 रुपये के नोट बदलने हेतु कुछ दिन और

» **2,000 रुपये के नोट को बैंक में जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर 2023 है**

» **वर्ष 2016 में 2,000 रुपये के नोट का चलन शुरू हुआ है**

नई दिल्ली,24 सितंबर2023(ए)। देश के केंद्रीय बैंक ने 2,000 रुपये के नोट को सर्कुलर में लेने और चलन से बाहर करने का ऐलान किया था। 2,000 रुपये के नोट को बैंक में जमा करने के लिए आरबीआई ने 30 सितंबर 2023 तक का समय दिया था। अब 2,000 रुपये के नोट को जमा करने के लिए एक हफ्ते से भी कम का समय है।

ऐसे में अगर आपने अभी तक 2,000 रुपये के नोट को बैंक में जमा नहीं किया है तो आपको यह काम जल्द से जल्द निपटा लेना चाहिए। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप बैंक जाने से पहले एक बार बैंक हॉलिडे लिस्ट को जरूर चेक करें। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको परेशानी हो सकती है।

वर्ष 2016 के नवंबर से 2,000 रुपये के नोट को चलन में लाया गया था। आपको याद होगा कि 2016 में ही 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट को बंद कर दिया गया था। 30 सितंबर 2023 के बाद से 2,000 रुपये के नोट वैलिड नहीं रहेंगे। आपको बैंक की छुट्टी को ध्यान में रखते हुए ही नोट को एक्सचेंज या फिर डिपॉजिट करने के लिए जाना चाहिए।

कैसे बदले 2,000 रुपये के नोट

लोग अपने बैंक अकाउंट में 2,000 रुपये के नोट जमा कर सकते हैं। इसके अलावा नोट को एक्सचेंज के लिए वह किसी भी बैंक के ब्रांच जा सकते हैं। आरबीआई समेत देश के सभी बैंकों में नोट एक्सचेंज की सुविधा मौजूद है। बैंक अकाउंट में 2,000 रुपये के नोट को डिपॉजिट करने के लिए केवाईसी फॉर्म की जरूरत पड़ सकती है।

जम्मूतवी एक्सप्रेस में डकैती

बदमाशों ने फायरिंग कर लाखों रुपये लूटे, विरोध करने पर यात्रियों से की मारपीट

बरवाडीह,24 सितंबर2023(ए)। झारखंड के बरवाडीह और लातेहार स्टेशन के बीच एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां संबलपुर से जम्मूतवी जाने वाली जम्मूतवी एक्सप्रेस में फिल्मी स्टाइल में डकैती और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की है, जिससे कई यात्रियों के घायल होने की भी सूचना है। अपराधियों ने ट्रेन यात्रियों से लाखों की लूटपाट की। इस दौरान यात्रियों से मारपीट भी की।

जानकारी के अनुसार यह घटना बीती देर रात की है। अपराधियों ने संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस के एस-9 बोगी में वारदात को अंजाम दिया है। लूटपाट के बाद अपराधी फरार हो गए। वहीं, जब ट्रेन डालटनगंज स्टेशन पहुंची, तो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। इस कारण ट्रेन डालटनगंज मे करीब दो घंटे खड़ी रही। बाद में घायल यात्रियों का डालटनगंज स्टेशन पर ही प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। यात्रियों ने बताया कि लूटपाट के दौरान बदमाशों ने आठ से दस राउंड फायरिंग की। पुलिस ने स्लीपर बोगी एस 9 से दो खोखा बरामद कर दिया है। आधा दर्जन अपराधी करीब 35 से 40 मिनट तक लूटपाट करते रहे। बरवाडीह स्टेशन के पास जैसे ही ट्रेन रुकी, सभी अपराधी उतरकर फरार हो गए। लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने कुछ यात्रियों की जमकर पिटाई भी कर दी।

फ्रांसीसी पर्यटक की मौत के मामले में एएसआई ने दिए जांच के आदेश

आगरा,24 सितंबर2023(ए)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक स्मारक फतेहपुर सीकरी में 61 वर्षीय फ्रांसीसी महिला पर्यटक की मौत की जांच के आदेश दिए हैं। संयुक्त महानिदेशक संजय मंजुल को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। यह घटना तब घटी जब फ्रांसीसी पर्यटक, जिसकी पहचान एस्मा बेन येल्स के रूप में हुई, लगभग पांच फीट ऊंचे प्लेटफॉर्म से गिर गई। पूरे भारत में संरक्षित स्मारकों के संरक्षण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार एएसआई ने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया। एएसआई के आगरा सर्कल के अधीक्षण पुरातत्वविद् राज कुमार पटेल ने जांच शुरू होने की पुष्टि करते हुए कहा, दिल्ली में एएसआई महानिदेशक के कार्यालय के निर्देशानुसार संयुक्त महानिदेशक स्तर का अधिकारी जांच का नेतृत्व करेगा। जांच समिति के निष्कर्ष यह निर्धारित करेंगे कि आगरा में स्मारकों का सुरक्षा ऑडिट आवश्यक है या नहीं। बता दें कि आगरा के जिला मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में एक समिति पहले से ही इस घटना की जांच कर रही है। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) शैरी और सीएमओ डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने स्मारक का दौरा किया और एएसआई अधिकारियों और निजी सुरक्षा कर्मियों से बातचीत की। जिला मजिस्ट्रेट भानु गोस्वामी ने पहले घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसमें एडीएम प्रोटोकॉल शैरी, सीएमओ आगरा डॉ. एके श्रीवास्तव और सहायक पुलिस आयुक्त (अछनेरा) शामिल थे।

दिल्ली पुलिस ने किया खुलासा

» **बृजभूषण को जब मौका मिला,यौन उत्पीड़न की कोशिश की**

नई दिल्ली,24 सितंबर 2023(ए)। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। दिल्ली पुलिस ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को लेकर कोर्ट में कई बड़ी बातें कही हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि जब भी बृजभूषण को मौका मिला उन्होंने यौन उत्पीड़न की कोशिश की थी। इसके साथ ही पुलिस ने अदालत के समक्ष यह भी गुहार लगाई है कि उनके खिलाफ चार्ज फ्रेम करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को अदालत में पेशी से राहत दी थी। अदालत में तजाकिस्तान की एक घटना का जिक्र करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि भाजपा सांसद को पता था कि वो क्या कर रहे हैं।

एक महिला पहलवान की शिकायत का जिक्र करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि तजाकिस्तान में एक इवेंट के दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता को कमरे में बुलाया और जबरन उस गले लगाया। जब महिला पहलवान ने विरोध किया तो बृजभूषण ने उससे कहा कि एक पिता की तरह उन्होंने यह किया है। यह दिखाता है कि बृजभूषण शरण सिंह को अपने कृत्यों के बारे में पता था।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य शिकायत का जिक्र करते हुए दिल्ली पुलिस ने अदालत से कहा, 'तजाकिस्तान में एशियन चैम्पियनशिप के दौरान महिला पहलवान ने दावा किया कि बृजभूषण शरण सिंह ने उसकी अनुमति के बिना उसकी शर्ट को ऊपर उठा दिया और गलत तरीके से उसका पेट छुआ।' दिल्ली पुलिस ने एक अन्य घटना का भी जिक्र किया। यह घटना दिल्ली में भारतीय कुश्ती संघ के कार्यालय से संबंधित है।

कौशल विकास घोटाला,चंद्रबाबू नायडू पर सीआईडी का दबदबा

» **पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू से दूसरे दिन भी पूछताछ जारी,12 सीआईडी अधिकारियों की टीम पूछ रही सवाल**

राजमुंद्री,24 सितंबर2023(ए)। राज्य के अपराध जांच विभाग के अधिकारियों ने कौशल विकास घोटाले के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से रविवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। सीआईडी अधिकारी नायडू से राजमुंदरी सेंट्रल जेल में पूछताछ कर रहे हैं, जहां वह फिलहाल बंद हैं। उनके मुख्यमंत्री रहते हुये कथित घोटाले के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश में 12 सीआईडी अधिकारियों की एक टीम नायडू से सवाल कर रही है।

दूसरे दिन की पूछताछ शुरू होने से पहले नायडू की मेडिकल जांच की गई। कॉन्फ्रेंस हॉल में नायडू के वकील डी. श्रीनिवास की मौजूदगी में पूछताछ चल रही है। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने शुक्रवार को सीआईडी को नायडू की दो दिन की हिरासत दी थी। सीआईडी को नायडू के वकील की मौजूदगी में सुबह 9:30 बजे से शाम पांच बजे तक पूछताछ की अनुमति दी गई है। इसमें एक घंटे का लंच ब्रेक शामिल है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि पूछताछ की तस्वीरें और वीडियो जारी नहीं किए जाएं।

पहले दिन शनिवार को नायडू से करीब छह घंटे तक पूछताछ हुई थी। इससे पहले और बाद में उनकी मेडिकल जांच की गई। सीआईडी ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख की पांच दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने केवल दो दिन की हिरासत की अनुमति दी। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि दो दिन की हिरासत खत्म होने के बाद नायडू को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया जाए।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने और उनकी न्यायिक हिरासत को रद्द करने की नायडू की याचिका खारिज कर दी थी। एसीबी कोर्ट ने शुक्रवार को उनकी न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ा दी थी।

नायडू को इस मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विजयवाड़ा में एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह मामला आंध्र प्रदेश में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसका कुल अनुमानित परियोजना मूल्य 3,300 करोड़ रुपये है। उस समय नायडू राज्य के मुख्यमंत्री थे।

सीआईडी ने दावा किया कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। एजेंसी ने दावा किया कि 371 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि, जो परियोजना के लिए सरकार की पूरी 10 प्रतिशत प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है, निजी संस्थाओं द्वारा किसी भी खर्च से पहले जारी की गई थी।

सीआईडी के अनुसार, सरकार द्वारा अग्रिम के रूप में जारी की गई अधिकांश धनराशि फर्जी चालान के माध्यम से शेल कंपनियों को भेज दी गई, चालान में उल्लिखित वस्तुओं की कोई वास्तविक डिलीवरी या बिक्री नहीं हुई।

सीआईडी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि छह कौशल विकास समूहों पर निजी संस्थाओं द्वारा खर्च की गई कुल राशि विशेष रूप से राज्य सरकार और आंध्र प्रदेश कौशल विकास केंद्र द्वारा दी गई धनराशि से प्राप्त की गई थी, जो कुल 371 करोड़ रुपये थी।

सूअर का दिल लगाकर बचाई जान

नई दिल्ली,24 सितंबर2023(ए)। मेडिकल साइंस में इंसानों में किडनी, लीवर यहां तक कि हार्ट ट्रांसप्लांट होना अब आम बात हो गई है। लेकिन एक जानवर को अंग को इंसान के शरीर में लगाना जरूर ऐसा कारनामा है जो हमारी सोच से परे हैं। लेकिन अमेरिका के डॉक्टरों ने एक ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है। डॉक्टरों ने हाल ही में 58 वर्षीय एक व्यक्ति की बॉडी में सूअर का दिल ट्रांसप्लांट किया है। डॉक्टरों ने यहां मरते हुए व्यक्ति के शरीर में सूअर का दिल लगाकर न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि मेडिकल सेक्टर में नया माइलस्टोन सेट कर दिया।

यह पहला मौका नहीं है, जब डॉक्टरों ने इंसान के शरीर में किसी जानवर का अंग प्रत्यारोपित किया है। डॉक्टर यह कारनामा एक बार पहले भी करके दिखा चुके हैं। दरअसल, इंसान में जानवर को अंग के ट्रांसप्लांट करना जेनोट्रांसप्लेंटशन कहा जाता है। मेडिकल साइंस का यह कारनामा मानव अंग डोनेशन की पुरानी कमी को पूरा कर सकता है।एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में एक लाख से ज्यादा अमेरिकी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड की तरफ से बताया गया कि यह कारनामा यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक्सपर्ट्स ने किया है। यह ऑपरेशन बुधवार को किया गया। इस केस में लॉरेंस फॉसेट नाम के पेशेंट वैस्कुलर बीमारी और इनर ब्लिडिंग के कारण किसी इंसानी हार्ट के लायक नहीं थे। उनका हार्ट फेलियर हुआ था। लेकिन डॉक्टरों ने उनके शरीर में सूअर का दिल ट्रांसप्लांट करके उनको नया जीवन दे दिया।

C M Y K

संपादकीय

नीचे जाने की होड़!

न्याय मांगने वाले समुदायों की सोच का दायरा ऐसा सिमट गया है कि वे आरक्षण की मांग से ज्यादा फिलहाल सोच नहीं पा रहे हैं। नतीजा यह है कि राजनीतिक दलों के लिए जातीय कार्ड खेलना आसान हो गया है।

झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुर्मी समुदाय के लोग खुद को अनुसूचित जन-जाति (एसटी) श्रेणी में शामिल कराने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। इस समुदाय के लोग अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए थे, लेकिन बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसे गैर-कानूनी और असंवैधानिक करार दिया। इसके बाद समुदाय ने धरना तो हटा लिया, लेकिन उन्होंने अलग-अलग जगहों पर विरोध जताने का सिलसिला जारी रखने का एलान किया है। उधर महाराष्ट्र में मराठा और ओबीसी समुदाय के लोग आमने-सामने हैं। मराठा मजबूत समुदाय है और उसकी ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण की मांग के आगे राजनीतिक दल झुके हुए हैं। पहले उन्होंने आरक्षित सीटों का कोटा बढ़ा कर रास्ता निकाला। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान को रद्द कर दिया। तो अब ओबीसी कोटे के तहत ही आरक्षण की मांग मराठा समुदाय ने उठाई है। जबकि ओबीसी महासंघ का कहना है कि ऐसा हुआ, तो इससे उनके हित प्रभावित होंगे। इसलिए वे लोग विरोध पर उतर आए हैं। मुद्दा है कि खुद को अपने से अधिक पिछड़े समुदायों की श्रेणी में शामिल करवाने की होड़ क्यों लगी हुई है?

जिस समय कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों ने महिला आरक्षण के अंदर ओबीसी आरक्षण और जातीय जनगणना की मांग में अपनी आवाज मिला दी है, उन्हें इस पर जरूर सोचना चाहिए कि क्या इससे संबंधित समुदायों का पिछड़ेपन दूर जाएगा? ऐसा होता, तो कुर्मी समुदाय के लोग मौजूदा आंदोलन को क्यों खड़ा करते? और ऐसी मांग करने वाला कुर्मी अकेला समुदाय नहीं है। जाहिर है, बहस भटकी हुई है। मुद्दा यह है कि अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था और रोजगार परक अर्थनीति पर अमल के बिना किसी समुदाय के पिछड़ेपन की समस्या का हल नहीं निकल सकता।

ओबीसी के नाम पर बेवकूफ बनाने का ड्रामा

-डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी,हरियाणा

आंकड़ों का अध्यन करें तो हम पाएंगे कि देश के कुल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग में केवल 5 उप-कुलपति है। अगर रजिस्ट्रार देखें तो पिछड़े समाज के तीन हैं। देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर की तय सीटों की मात्र 4.5 प्रतिशत ही भरी गई हैं। अमूमन यही स्थिति एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर में भी है। सीटों के खाली रहने के साथ-साथ ओबीसी के साथ क्रीमीलेयर का घटिया खेल खेलकर उनको कहीं का भी नहीं छोड़ा जा रहा है जिसकी वजह से उनकी जाति का सर्टिफिकेट तक छिना जा रहा है। छह या आठ लाख की मामूली सीमा से ओबीसी का हक़ मारकर आने वाली पीढ़ियों को पंगु बनाया जा रहा है जबकि अन्य आरक्षित वर्गों में न तो कोई क्रीमीलेयर है न कोई और बाध्यता? जिसकी वजह से इन वर्गों के बड़े-बड़े अफसरों के बच्चे भी पीढ़ियों तक आरक्षण का फायदा उठा पाएंगे। बड़े समाज को पीछे छोड़ हम अपने देश को सशक्त नहीं कर सकते। क्या यह कहना उपयुक्त नहीं है कि सारे तथ्यों को जानते हुए भी सरकारों द्वारा ओबीसी वर्ग के साथ धोखा किया जा रहा है?

सांप्रदायिकता और आरक्षण ने भारी संख्या में युवाओं का मानसिक और राजनीतिक विकास रोक दिया है। उन्हें कुंठित बना दिया है। उनकी ज़रूरत समाप्त हो चुकी है क्योंकि वे सामाजिक न्याय की मुख्यधारा से कट गए हैं। काट दिया गया है। इन दो नफ़रतों के कारण ज़रूरत ही समाप्त हो चुकी है। बेहतर है आप आरक्षण के महत्व को समझें। उसके नाम पर खुद को मुख्यधारा से अलग न करें। अपने भीतर जातिगत नफ़रत को मिटाइये। थोड़ी कोशिश करेंगे तो इस नफ़रत से मुक्ति मिल जाएगी। आप अच्छा महसूस करेंगे। सभी समाज के लोगों को यह बात समझनी चाहिए कि आरक्षण के कारण अवसर ख़त्म नहीं होते हैं। अवसर ख़त्म होते हैं दूसरी नीतियों के कारण। चार पूँजीपतियों की पूँजी बढ़ती रहे इसके लिए आर्थिक नीतियों का जाल बिछाने के कारण अवसर समाप्त होते हैं। लोग यह समझ नहीं पाते हैं कि उनकी नौकरी में रुकावट आरक्षण नहीं है। अवसर की कमी है। सरकार की मूर्खतापूर्ण हरकतों के कारण अवसर समाप्त हो चुके हैं। प्राइवेट हों या सरकारी क्षेत्र में। ये आरक्षण के कारण नहीं हुआ है। चूँकि आप आर्थिक जगत के मुश्किल खेल को नहीं समझ पाते तो फिर से आरक्षण पर पहुँच जाते हैं कि इसकी वजह से नौकरी नहीं मिल रही है। जबकि जिन्हें आरक्षण मिला है उन्हें भी नौकरी नहीं मिल रही है।

अब आते हैं ओबीसी पर। केवल केंद्र सरकार के संस्थानों में शिक्षकों के ख़ाली पदों को जोड़ लें तो पता चलेगा कि ओबीसी के चालीस से साठ फ़ीसदी तक पद ख़ाली हैं। ओबीसी कोटे की 16000 मेडिकल सीटों का चले जाना किसी अपराध से कम नहीं है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ देश भर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में मात्र 09 ओबीसी प्रोफ़ेसर पढ़ा रहे हैं जबकि स्वीकृत पद 304 हैं तो ओबीसी को भी वाजिब हक़ नहीं मिल रहा है। ओबीसी नेता के राज में ओबीसी को भी नौकरी नहीं मिल रही है। वर्ना केवल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कई हज़ार ओबीसी के नौजवान लेक्चरर बन गए होते। कितना बड़ा सामाजिक बदलाव होता। इन पदों पर बहालियां होती हैं तो सभी नौजवानों को भी लाभ मिलता।

आरक्षण का अभिप्राय भी प्रतिनिधित्व से ही है। यह प्रतिनिधित्व धीरे-धीरे महिला, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग और हाल में आर्थिक रूप से पिछड़े समाज के लिए भी किया गया है। अब आरक्षण तो लागू हो गया लेकिन उसे जमीन पर लाने की जिम्मेदारी जिन कंधों पर थी, वह सभी जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त, गैर-समता में विश्वास करने वाले थे। यही कारण है कि आज भी चतुर्थ श्रेणी को छोड़ कहीं पर भी आरक्षित वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। क्या उपयुक्त पद के लिए आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट नहीं मिलते अथवा मानसिक बीमारी के कारण इस वर्ग का समावेशन नहीं किया जा रहा है।

पिछले कई वर्षों में देश भर के केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों में ओबीसी आरक्षित वर्ग की सीटों को नहीं भरा गया। देश के कई विश्वविद्यालय में तो अधिकतर पदों पर यह लिख दिया गया कि हमें ओबीसी आरक्षित वर्ग में कोई भी उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिला। इसलिए सभी पद खाली रख लिए गए ताकि बाद में इनको सामान्य वर्ग से भर दिया जाये। अब आप सोच सकते है कि किस सोच के साथ उपयुक्त नहीं-लिख कर आरक्षित वर्ग को कमतर बताने का प्रयास किया गया है। आप देखंगे तो पाएंगे कि देश भर के संस्थानों में ओबीसी के लोगों के साथ सभी में यही हाल है। ओबीसी की अधिकतर सीटों पर एनएफएस (कोई भी उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिला) लगा दिया है। आज एनएफएस को लेकर देश भर के आरक्षित वर्ग में काफी रोष है। अब सवाल यह उठता है कि पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को एनएफएस किया जाना, कुछ लोगों की जातिवादी मानसिकता का परिचायक तो नहीं है। क्या ये लोग अपने विवेक का इस्तेमाल बेईमानी के लिए करते हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो ये समस्या एक दिन विकराल रूप बन जाएँगी।

आंकड़ों का अध्यन करें तो हम पाएंगे कि देश के कुल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग में केवल 5 उप-कुलपति है। अगर रजिस्ट्रार देखें तो पिछड़े समाज के तीन हैं। देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर की तय सीटों की मात्र 4.5 प्रतिशत ही भरी गई हैं। अमूमन यही स्थिति एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर में भी है। सीटों के खाली रहने के साथ-साथ ओबीसी के साथ क्रीमीलेयर का घटिया खेल खेलकर उनको कहीं का भी नहीं छोड़ा जा रहा है जिसकी वजह से उनका जाति का सर्टिफिकेट तक छिना जा रहा है। छह या आठ लाख की मामूली सीमा से ओबीसी का हक़ मारकर आने वाली पीढ़ियों को पंगु बनाया जा रहा है जबकि अन्य आरक्षित वर्गों में न तो कोई क्रीमीलेयर है न कोई और बाध्यता? जिसकी वजह से इन वर्गों के बड़े-बड़े अफसरों के बच्चे भी पीढ़ियों तक आरक्षण का फायदा उठा पाएंगे। देखें तो भारत में कुल आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा ओबीसी आरक्षित वर्ग से आता है लेकिन इसी वर्ग की हालत कोई खास अच्छी नहीं दिखती। जिस तरह से प्रतिष्ठित संस्थानों में जाति के आधार पर योग्य और अयोग्य होने का खेल खेला जाता है, वह शर्मनाक है। हालांकि, ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ किया गया यह धोखा कोई नया नहीं है। गत वर्ष यानी 2022 में शिक्षा मंत्रालय ने एक लिखित जवाब में देश के उच्च सदन राज्य सभा को बताया था कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 880 प्रोफ़ेसरों के पद सहित 3,669 आरक्षित श्रेणी के शिक्षण पद रिक्त हैं। इसमें 1761 पद ओबीसी के रिक्त हैं। संविधान में दिए गए अधिकारों के लिए जब देश के एक बड़े समाज को लड़ना पड़ेगा तो ऐसे में भारत कैसे मजबूत राष्ट्र बनेगा। सबका साथ सबका विकास के साथ सबका विश्वास होना भी जरूरी है। देश में हिस्सेदारी के सवाल पर देश के बड़े वर्ग के भीतर निस्संदेह कुछ बेचैनी और असंतोष है, जिसका समाधान सरकार के पास ही है। बड़े समाज को पीछे छोड़ हम अपने देश को सशक्त नहीं कर सकते। क्या यह कहना उपयुक्त नहीं है कि सारे तथ्यों को जानते हुए भी सरकारों द्वारा ओबीसी वर्ग के साथ धोखा किया जा रहा है?

बालिका शिक्षा को गति देते कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय

डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय
आगरा, उत्तरप्रदेश

भारत में महिला एवं पुरुष साक्षरता में अंतर को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना एक चुनौती हमेशा से रहा है। विशेष रूप से यह चुनौती दुर्गम क्षेत्रों में और वृहद स्तर पर प्रदर्शित हो रही थी। दुर्गम क्षेत्र के वंचित तबकों विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं के लिए भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में उच्च प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा के लिए आवासीय विद्यालयों की स्थापना हेतु कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना प्रारंभ की गई। जिसका प्रमुख उद्देश्य विषम परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाली वंचित वर्ग की बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालय के माध्यम से गुणवत्ता युक्त प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना एवं प्रारंभिक स्तर पर आवासीय सुविधाओं के साथ समाज की वंचित समूह की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

यह योजना देश के शैक्षणिक रूप से पिछले उन विकास क्षेत्रों में लागू की गई जहां वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण महिला साक्षरता राष्ट्रीय औसत से नीचे और साक्षरता में लिंग अंतर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। भारत सरकार द्वारा यह योजना देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की गई इन विद्यालयों में प्रवेश की लिए निम्न प्रक्रिया है-

1. 75 प्रतिशत बालिकाएं अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय से।
2. 25प्रतिशत बालिकाएं अन्य सामान्य वर्ग के गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों से
3. दिव्यांग बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रवेश के समय बालिकाओं के चयन में निम्न तथ्यों का ध्यान रखा जाता है-

आवासीय ब्रिज कोर्स में दर्ज ऐसी बालिकाएं जो कक्षा 5 में दर्ज होने योग्य हो

पांचवी तक की आश्रम शालाओं से छठे में आने वाली बालिकाएं

प्राथमिक स्तर पर उन गांव की बालिकाएं जहां एक किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध नहीं है

ऐसे ग्राम जहां तीन किलोमीटर की परिधि में कोई माध्यमिक विद्यालय की सुविधा नहीं है

इन विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा के साथ निःशुल्क आवास, भोजन, पठन-पाठन के लिए शैक्षणिक सामग्री, गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, बालिकाओं के दैनिक व्यक्तिगत आवश्यकताओं हेतु सामग्री, प्रतिमाह 100 रूपए बालिका के खाते में, व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था, स्वास्थ्य परीक्षण, खेलकूद सामग्री और पुस्तकालय, कम्प्यूटर आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

प्रदेश में कुल 746 से अधिक कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय स्थापित हैं। जिनमें 75000 से अधिक छात्राओं को छात्रावास सहित समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं वर्ष 2019-20 में कुछ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों को इंटरमीडिएट तक की शिक्षा के लिए अपग्रेड किया गया है। साथ ही बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में प्रेरणा पोर्टल पर स्टाफ व छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थिति एवं अवस्थापना सुविधाओं का अनुश्रवण जनपद एवं विकास क्षेत्र स्तरीय अधिकारियों से कर वहां की शैक्षिक गुणवत्ता एवं आवासीय व्यवस्था के गुणवत्ता पूर्ण होने को सुनिश्चित किया जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय समाज के अपवंचित उन वर्गों के बालिकाओं के सपनों को साकार कर रहे हैं जिन्हें शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है।

हर मामले में दोष आखिर महिला पर ही क्यों डाला जाता है?

स्नेहा सिंह
नोएडा, उत्तरप्रदेश

हम ने वह समय भी देखा है, जब विवाह के दो साल बच्चा न हुआ हो तो घर में तरह-तरह की बातें होने लगती हैं। मात्र घर में ही नहीं, अड़ोस-पड़ोस में भी वैसी ही बातें होने लगती हैं और बच्चा नहीं हो रहा है तो निश्चित रूप से महिला में ही कोई कमी होगी, इस तरह की बातें होती हैं। और अगर बेटी पैदा हो जाती है, तब भी महिला को ही दोषी माना जाता है। जबकि बेटी पैदा हो या बेटा, दोनों में ही महिला का न कोई हाथ होता है और न दोष। दुख की बात तो यह होती है कि ऐसे में ये सारी बातें इस तरह जड़ता से लोगों के मन में बैठा दी जाती हैं कि महिलाएं भी खुद को दोषी मानने लगती हैं कि ऐसा ही होता है।

समय बदल गया है

जबकि अब समय बदल गया है। यह सच है कि अब तुरंत कोई इस तरह की बातें नहीं करता। पर शादी के पांच साल बाद अगर बच्चा न हो तो पहला दोष स्त्री को ही दिया जाता है। गायनो के पास पहले स्त्री को ही चेकअप कराना होता है। और हां, पति का टेस्ट तब होता है, जब गायनो कहता है। जबकि बच्चा न होने पर पहले स्त्री का ही इलाज कराया जाता है। अनेक दवाएं, अनेक पीड़ा, इंजेक्शन और अन्य तमाम कुछ कर लेने के बाद भी जब फर्क नहीं पड़ता, तब पुरुष का स्पर्म काउंट होता है।

पुरुष में भी कमी हो सकती है

गर्भ न ठहर रहा हो, ऐसे सौ मामलों में लगभग पचास मामले पुरुष की कमी के कारण होते हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि गर्भ नहीं ठहर रहा तो स्त्री वंध्या है। इस समस्या में पचास पचास का रेशियो है। खैर, यहां मात्र गर्भ ठहरने की ही बात नहीं है, कोई भी समस्या हो, ज्यादातर दोष महिलाओं के ही सिर मढ़ा जाता है। घर की सलाह मशविरा या ताने की बात हो, स्त्री के हिस्से में ज्यादा सुनने में आता है।

बच्चों के बारे में स्त्रियों को सब से अधिक कहा जाता है

मानलीजिए कि कोई युगल मात्र एक ही बच्चे से खुश है, उसने पहले से ही तय कर लिया है कि वह एक ही बच्चा करेगा तो ऐसे संयोगों में घर में दूसरा बच्चा करने के लिए सब से अधिक मेंटल फोर्स मात्र स्त्रियों पर ही होता है। दूसरों का उदाहरण दे कर समझाया जाता है या फिर दूसरों का उदाहरण दे कर ताना मारा जाता है। इस तरह पहला टारगेट स्त्री ही बनती है। यहां दुख की बात यह है कि यह सब सुनाने और कहने वाली स्त्रियां ही होती हैं।

बच्चे गलत करते हैं तब भी ताना स्त्रियों को ही सुनना पड़ता है

इसी तरह बच्चे शरारती हों, किसी का कहना न मान रहे हों, तो इसका दोष हमेशा मां को ही दिया जाता है। मां ने कुछ सिखाया नहीं है यह कहने वाले लोग जरा भी नहीं सोचते। बच्चा शरारती हुआ तो महिलाओं को यह भी सुनने को मिलता है कि बच्चा मां पर गया है या मामा पर गया है।

इसका असर तन मन पर पड़ता है

घर में होने वाली आक्षेपबाजी कभी कभी इतनी मुश्किल पैदा कर देती है कि इसका असर या तो उनके शरीर पर पड़ता है या फिर वे अपना गुस्सा बच्चे पर उतारती हैं। बदलते समय में जैसे कमाई की जिम्मेदारी मात्र पुरुषों पर नहीं रही, उसी तरह स्त्रियों को भी लगता है कि बच्चे को संभालने से ले कर घर संभालने की जिम्मेदारी भी दोनों की होनी चाहिए।

इच्छा से जीने नहीं मिलता

तमाम ऐसे भी कपल हैं, जो आज के समय में किसी कारणवश बच्चा न करने का प्लान करते हैं। आज के मार्डन कपल बहुत सोच-विचार कर इस तरह का निर्णय लेते हैं। पर इस समय भी घर में इस तरह के निर्णय के लिए पहले स्त्री को ही कोसा जाता है। उसे समझाने से ले कर कोस कर यह बात कही जाती है। जब लगता है कि स्त्री को चाहे जितना कहा जाए, बात नहीं बनने वाली तब पुरुष तक बात पहुंचती है। बाकी सब से पहले तो स्त्री को ही यह कह कर समझाया जाता है कि पुरुषों को हर बात की समझ नहीं होती, कुछ मामलों में स्त्रियों को समझना पड़ता है। एक बच्चा करना है या दो बच्चा करना है या बच्चा नहीं करना है, यह निर्णय पति-पत्नी बहुत सोच-विचार कर, लंबे समय तक सोच-विचार कर करते हैं। इस मामले में मात्र स्त्री को ही क्यों दोष दिया जाए।

बात मात्र बच्चों की ही नहीं

बात मात्र बच्चों की ही नहीं है, ऐसी अन्य तमाम बातें हैं, जिसमें दोष मात्र स्त्री के ही सिर मढ़ा जाता है। विवाह के बाद पति के स्वभाव में थोड़ा बदलाव आता है और अगर वह अपनी पत्नी के पक्ष लेते हुए कुछ बोलता है तो इसका दोष भी ज्यादातर स्त्री के ऊपर ही आता है।

विवाह के बाद बेटा बदल गया है, सीधी बात है विवाह के बाद कोई नया व्यक्ति घर में आया हो, उसे कंफर्ट फील कराने या स्नेहवश या शायद उसकी गलती नहीं है, यह सोच कर शायद पति पत्नी का पक्ष ले रहा हो इसका मतलब यह नहीं है कि वह बदल गया है। सीधी बात यह है कि अक्सर मां-बाप के पक्ष में बेटा न हो तो इसका दोष भी मां-बाप बहू के ऊपर ही डाल देते हैं। सही बात तो यह दोष स्त्री के सिर मढ़ने के बजाय आमने सामने जो समस्या हो, उसे क्लियर कर लेना चाहिए। जबकि कोई ऐसा नहीं है, जो दोष रहित है। फिर भी जिस बात में दोष न देना हो, उस बात में मात्र उसे ही दोष दे कर पक्षपाती नहीं बनना चाहिए। खासकर ताना मारने, सीधी तरह कुछ कहने के बजाय घुमाफिरा कर कहना, ऐसा करने के बजाय थोड़ा उदार और समझदार बनना चाहिए। हर बात का दोष स्त्री के सिर ही नहीं मढ़ना चाहिए।

दोनों पक्ष बराबर रखें

अब बात बच्चों या गलती की नहीं, विवाह के बाद हर घर में कलह होती है, समस्या होती है, बच्चों की कमी हो या कोई अन्य बात हो, ज्यादातर मामलों में स्त्री को ही दोषी माना जाता है। आखिर ऐसा क्यों है? ताली एक हाथ से तो बजती नहीं है। जिस तरह दोनों हाथों से ताली बजती है, उसी तरह गलती भी दोनों पक्षों की होती है। पर दोष हमेशा स्त्री को ही दिया जाता है, आखिर ऐसा क्यों है?

जिम्मेदारी किसी एक की नहीं

बच्चे की समस्या हो तो जितनी जिम्मेदारी स्त्री की है, उतनी ही पुरुष की भी है। इसी तरह घर को संभालने के बारे में भी मात्र स्त्री को ही दोषी माना जाता है। लोगों को यह भी सोचना चाहिए कि इसके लिए भी थोड़ा साथ और सहयोग मिले तो इसमें गलत क्या है?

यह आनंद की अभिव्यक्ति है

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई, तमिलनाडु

विनम्र होना आप अच्छे हैं
आपका मन आपके भीतर
कमर कस लें और विनम्र रहें
यदि वह मामूली है तुम दुष्टों में से हो
हस्तक्षेप मत करो...
कोई विपक्ष नहीं
आपसे संपर्क नहीं करेगा
इसीलिए आप...बाहर बात करो
विलापी बहुत सुन्दर नहीं
आप बात करें और प्रकाशित करें
आपके शब्द में
सोच-समझकर बोलें
नम्रता से बोलो अच्छे से बोलें
अच्छा करो अच्छा लगना
अच्छी तरह से सुनो
इतना ही आपकी विनम्रता का
ख़ुशी की अभिव्यक्ति...
अब तुम्हारे अंदर
आप कॉल करें...

भोले आए ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर इन्दौर मध्यप्रदेश

भोले आए...भोले आए..
मन-मधुवन में प्रीत जगाए,
सारे जन-मन के जीवन में,
खुशियों की सौगातें लाए।
भोले आए ....
भोले आए देखो कैसा ,
मजमा जमा हुआ है,
गौरी को चुपके से देखा,
गौरी भी शरमाए।
भोले आए ..भोले आए...
भोले ने जो पान रखे थे,
दबा के गौरी खाएं,
होठों की लाली को देखा,
देख भोले शरमाए।
भोले आए..भोले आए..
गौरी के केशों में देखो,
झूल रही थी मोगर,
खुशबू फैली गली-गली में,
मन-आंगन महकाए।
भोले आए...भोले आए..
सजी हांथ में मेंहदी देखो,
दुल्हन-सी है गौरी,
नंदी संग भोले को देखा,
लगा बराती आए।
भोले आए...भोले आए..
ढोल की थाप पे गौरी नाचें,
सखियां झूम के गायें,
कनखी से देखें फिर भोले,
मंद-मंद मुस्काएं।
भोले आए ...भोले आए..

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चुनाव से ठीक पहले विपक्षी गठबंधन में शामिल होकर सबको चौंका सकती हैं मायावती

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी बड़ा चुनावी फैक्टर बन गयी है। बसपा सुप्रीमो मायावती किसी भी पार्टी के साथ हाथ मिलाने को तैयार नहीं हैं जिसके चलते राजनीति के गलियारो में हड़कम्प मचा हुआ है। वैसे तो पिछले दो दशकों में बसपा लगातार कमजोर हुई है, लेकिन अभी भी उसके पास 14 फीसदी दलित वोट बैंक मौजूद है। इसी के चलते बसपा से सब हाथ मिलाना चाहते हैं, तो मायावती को भी अपनी इस ताकत पर गुमान है, जिसके चलते वह फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही हैं, तो बसपा से हाथ मिलाने को इच्छुक नजर आ रहा एनडीए और आईएनडीआईए गठबंधन भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि दोनों गठबंधन के नेताओं ने हार मान ली हो। सूत्र बताते हैं कि गुपचुप तरीके से मायावती को अपने खेमे में लाने के लिए दोनों गठबंधन दलों के आकाओं द्वारा लखनऊ से लेकर दिल्ली तक में साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है। बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती के भाजपा और कांग्रेस गठबंधन से दूरी बनाकर चलने के चलते आईएनडीआईए गठबंधन को यूपी में लोकसभा की 80 सीटों पर करारा झटका लग सकता है। ऐसे में आईएनडीआईए एक बार फिर मायावती पर डोरे डालने में लग गया है। बसपा नेत्री मायावती से गुपचुप तरीके से बातचीत की जा रही है क्योंकि चुनाव जीतने के लिए इंडिया गठबंधन यूपी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है।

बताते चलें कि बसपा के बिना सपा-कांग्रेस एक साथ मिलकर 2017 का विधानसभा चुनाव लड़ के देख चुके हैं जिसका कोई फायदा इन दोनों दलों को नहीं हुआ था इसीलिए इस बार मायावती को भी जोड़ने की कोशिश की जा रही है। बसपा को साथ लाने की कोशिश में यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और बसपा के शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था। अभी तक यह बातचीत अपने मुकाम तक तो नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन तब से दोनों के बीच संवाद बना हुआ है। इसमें गांधी परिवार और उसके करीबी शामिल हैं। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक पिछले महीने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच गठबंधन को लेकर गुप्त रूप से चर्चा भी हो चुकी है। बसपा की ओर से उसके एक पूर्व सांसद की भी इस बातचीत में अहम भूमिका है।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा-कांग्रेस की गठबंधन की कोशिशें परवान नहीं चढ़ पाई थीं। तब तय हुआ था कि विधानसभा की 125 सीटों पर कांग्रेस और शेष 278 सीटों पर बसपा लड़ेगी। खबरें लीक हुई और फिर सत्ता पक्ष की ओर से ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी गईं कि दोनों ही दलों को कदम पीछे खींचने पड़े। चुनाव के बाद राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कहा भी था कि हम बसपा को आगे रखकर यूपी में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, पर वह तैयार नहीं हुई। इस बार लोकसभा चुनाव के ऐन पहले ही आधिकारिक रूप से घोषणा करने की रणनीति है। दूसरी तरफ कहा यह भी जा रहा है कि क्या आईएनडीआईए गठबंधन में बसपा के आने से सपा सहज रहेगी, इसका जवाब मुश्किल है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व, यूपी में बसपा को साथ लाने में ज्यादा रुचि ले रहा है। इसकी वजह है कि बसपा के पास अभी भी 14 फीसदी दलित वोट बैंक है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का बागेश्वर (उत्तराखंड) विधानसभा सीट को लेकर सपा के खिलाफ दिया गया बयान भी इसी कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है।

बताया जा रहा है कि अजय राय ने यह बयान हाईकमान से इशारा मिलने के बाद ही दिया था। संभावना जताई जा रही है कि जैसे-जैसे कांग्रेस की बसपा के साथ बात आगे बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे इस तरह के और बयान भी आ सकते हैं। गांधी परिवार के नजदीकी नेता के मुताबिक वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ कांग्रेस के अनुभव अच्छे नहीं रहे। उस चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने की बात सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार कहते रहे, लेकिन 145 सीट देने के वादे के बावजूद कांग्रेस को 105 सीटें दी गई। इसमें से करीब 10 सीटों पर सपा ने अपने प्रत्याशी को पंजे पर चुनाव लड़वाया था।

बहरहाल, जिस तरह से आईएनडीआईए गठबंधन में बसपा को लाने की कोशिश की जा रही है, उससे बसपा अपर हैंड में नजर आ रही है। बसपा यदि कांग्रेस-सपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ती है तो वह अपनी मर्जी वाली सीटों पर चुनाव लड़ेगी और ऐसी सीटों की संख्या भी अधिक होगी। बसपा 20 से 25 सीटों तक के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकती है। बसपा की दावेदारी को ना करना सपा, कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा। अगर वह बसपा को उसकी इच्छा के अनुसार सीट नहीं देती है तो बसपा के बगैर चुनाव लड़ने पर सपा-कांग्रेस गठबंधन को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं बसपा यदि भाजपा के साथ चली गई तो आईएनडीआई के लिए लड़ाई और भी मुश्किल हो सकती है।

-स्वदेश कुमार-
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

ग्राम मोहरसोप में दिनदहाड़े जंगली हाथी घुसा,ग्रामीणों में डर का माहौल,घंटों तक फसलों को खाकर किया चौपट

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के वन परिक्षेत्र बिहारपुर क्षेत्र के मोहरसोप कछिया ,नवडीहा,बसनारा, सहित आस पास के गांव में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है वही आए दिन गांव में घुसकर फसलों को खाकर चौपट कर रहे हैं वहीं ग्रामीण का घर को तोड़कर क्षति कर रहे हैं

वही वन विभाग एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से हाथियों को भागने और गांव में बुनियादी करने में कोई पहल नहीं कराया जा रहा है जहां ग्रामीणों में काफी नाराजगी व्यक्त है ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र से हमेशा विभाग के अधिकारी कर्मचारी नदारत रहते हैं वही आज ग्राम मोहरसोप के ठुठियापारा में

जंगली हाथी सुबह 10ः00 बजे में आ गया जहां घंटों तक धान मक्का के फसल में खा कर उत्पाद मचाया वही ग्रामीणों द्वारा वन विभाग एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों को फोन से जानकारी देने की कोशिश किया गया लेकिन अधिकारियों कर्मचारियों का मोबाइल बंद होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो पाया वही ग्रामीणों ने यह आरोप लगाया कि क्षेत्र से हमेशा अधिकारी कर्मचारी नदारद रहते हैं नहीं क्षेत्र में कोई मुनादी कराई जाती है वहीं पिछले दो महीने से क्षेत्र में हाथी जमे हुए हैं जिससे क्षेत्र के किसानों का फसल को खा कर रैद कर चौपट कर रहा है

इसके बारे में जब वन परिक्षेत्रा अधिकारी मेवा लाल पटेल से फोन पर संपर्क करने की कोशिश किया गया था उनका मोबाइल बंद होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो पाया

वहीं दूसरे ओर गुरु घासीदास राष्टीय उद्यान रेंजर ललित साय पैकरा से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका भी मोबाइल बंद होने से उनका भी पक्ष नहीं रख पाए।

भालू के हमले से महिला हुई घायल

- संवाददाता -
लखनपुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर वन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिरकेला के आश्रित ग्राम सुगा आमा में रविवार की सुबह लगभग 6:30 बजे धान फसल देखने खेत गई महिला पर

भालू ने हमला कर घायल कर दिया घायल महिला का उपचार लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक डुली बाई पति संग्राम तिर्की उम्र लगभग 50 वर्ष सुगाआमां निवासी धान फसल देखने खेत गई थीं। इसी दौरान मादा भालू अपने बच्चे के साथ महिला पर हमला करते हुए हाथ को जख्मी कर दिया महिला ने हिम्मत करके भालू के सर के बाल को खींचा मादा भालू के चिल्लाने से दूसरा भालू वहा से भागा फिर मादा भालू वहा से भाग गई किसी तरह घायल महिला घर पहुंची परिजनों के द्वारा उसे लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। वही वन विभाग की टिम ने लखनपुर अस्पताल पहुंच सहायता राशि घायल महिला को प्रदान किया ।

पत्नी की हत्या कर दुर्घटना बताने वाले आरोपी पति गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। महिला की हत्या करने के बाद पति ने गिरने से मौत की कहानी रची थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार राम बाई पति विफल राम उम्र 40 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम रेवापुर के आश्रित ग्राम लवइडिह की रहने वाली थी। बिफल राम ने 22 सितंबर को दरिमा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरी पत्नी रामबाई 20 सितंबर की दोपहर में अपने लडके के साथ घुनघुट्टा बांध नहाने गई हुई थी, जो नहाने के बाद मौके पर गिरकर बेहोश हो गई थी जिसे बेहोशी हालत में उठाकर घर लाया था। 22 सितंबर की शाम को उसकी मौत हो गई गई। प्रार्थी के मौखिक सूचना पर थाना दरिमा में तत्काल मामले में मर्ग पंजीबद्ध कर मृतिका रामबाई के शव का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया, परीक्षण रिपोर्ट मे डॉक्टर द्वारा प्राथमिक जांच में मृतिका की मौत हत्यात्माक प्रकृति का होना बताया गया। मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन में मामले में त्वरित कार्यवाही कर आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुपलेश पात्रे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (ग्रामीण) अखिलेश कौशिक के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा मामले में अग्रिम पूछताछ कर आरोपी के सम्बन्ध मे पत्तासाजी की जा रही थी। दौरान जांच विवेचना मृतिका के पति सूचक बिफल राम द्वारा दी गई सूचना पूर्णतः निराधार पाई गई एवं प्रारंभिक पूछताछ एवं जांच पर पाया गया कि 20 सितंबर को घटना दिवस शाम को रामबाई अपने पति बिफल राम के साथ ग्राम लवईडीह स्तिथ जानपहचान के घर में मालिश करने हेतु गई हुई थी जो शाम को वापस घर लौटते समय रामबाई थककर रास्ते में बैठ गई तब आरोपी पति बिफल राम द्वारा घर चलने को बात बोलने पर दोनों पति पत्नी में मामूली वाद विवाद होने पर आरोपी द्वारा क्षणिक आवेश में आकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट किया गया था। जिससे मृतिका रामबाई मौके पर बेहोश हो गई और आरोपी द्वारा बेहोशी की हालत में ही अपनी पत्नी को घर ले आया, मारपीट से आयी चोट के कारण 21 सितंबर की मौत हो गई थी। मामले में आरोपी बिफल राम पिता छउवा राम उम्र 50 वर्ष साकिन रेवापुर हालमुकाम लवईडीह थाना दरिमा की घेराबंदी कर पकडकर घटना के सम्बन्ध में पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपनी पत्नी की हत्या कारित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के निशानदेही पर मृतिका रामबाई के सिर के बाल में लगा बक्कल जब्त किया गया एवं आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर थाना दरिमा में धारा 302 पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक कैलाश मिर्रे, प्रधान आरक्षक नारायण चौधरी, आरक्षक ओमप्रकाश रवि, अभय चौबे शामिल रहे।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान ट्रैक्टर से गिरने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

गणेश विसर्जन के दौरान ट्रैक्टर से गिरने से एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिनेश यादव पिता मलुक राम उम्र 18 वर्ष पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम केराकछार का रहने वाला था। गांव में गणेश प्रतिमा स्थापित किए गए थे। शनिवार को प्रतिमा विसर्जन के लिए ट्रैक्टर पर ले जा रहे थे। इस दौरान ट्रैक्टर से दिनशे नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए पत्थलगांव ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ऑटो पलटने के दौरान एक महिला की मौत, पाँच घायलों में तीन को आई गंभीर चोट

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में ऑटो पलटने के दौरान एक महिला की मौत गई है,,जहां पाँच घायलों में तीन को आई गंभीर चोट ,,सभी घायलों का इलाज़ जिला अस्पताल ज़ारी,,घटना सूरजपुर कोतवाली के नेवरा गांव का, है जानकारी के अनुसारओड़गी से ग्रामीण ऑटो में बैठकर दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने बरबसपुर जा रहे थे, जहां लोधिमा चौक पर सोलनी बाई के साथ एक अन्य महीला भी ऑटो में सवार हो गई, और सभी 10 लोग बरबसपुर के लिए निकल

गए,,हलाकि ऑटो कुछ किलोमीटर ही चली थी कि ग्राम नेवरा के समीप बाइक सवार युवकों ने गलत साइड से बिना हाँथ दिए बाइक मोड़ दिया जिसे बचाने के दौरान ऑटो पलट गई,,जहाँ मौके पर ही ग्राम खोपा निवासी सोलनी बाई 60 वर्ष की मौत हो गई,,वहीँ पाँच घायलों को जिला अस्पताल सूरजपुर लाया गया है,,जहां घायलों का इलाज़ जारी है,,फ़िलहाल कोतवाली पुलिस जांच में जुटी है।

क्या कहा चिकित्सक ने

जिला चिकिसालय के डॉ अंकित कुमार पॉल बताया कि ऑटो पलटने के दौरान कुछ लोगों को एम्बुलेंस के ज़रिए लाया गया था ,,जहां एक महिला की हॉस्पिटल आने से पहले ही मौत हो चुकी थी,,बाकी पांच घायलों में तीन को हेड इंज्यूरी और फेक्चर की सम्भवना से इंकार नहीं किया जा सकता फ़िलहाल एक्सरे, या सिटीस्कैन के बाद कुछ कहना सम्भव होगा।

धान की फसल देखने गई महिला पर भालुओं ने किया हमला

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिरकेला के आश्रित ग्राम सुगाआमा में रविवार की सुबह करीब 6 बजे धान फसल देखने खेत गई महिला पर तीन भालुओं ने हमला कर दिया। इससे महिला गंभीरा रूप से जख्मी हो गई। जिसे उपचार के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक डुली बाई पति संग्राम तिर्की उम्र 50 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुगाआमा की रहने वाली है। वह रविवार की सुबह करीब 6 बजे धान की फसल देखने खेत की ओर गई थी। तभी झाड़ी में छिपे दो शाव के साथ एक बड़ा भालू अचानक बाहर निकलकर महिला पर हमला कर दिया। महिला अपनी जान बचाने भालुओं से भीड़ गई। महिला हाथ मुक्के से ताबड़तोड़ बड़ा भालू को मारने लगी और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। चिल्लाने की आवाज सुनकर अन्य लोग दौड़े तो इसे देख भालू शावकों के साथ वहां से भाग गया। सूचना पर परिजन पहुंचे और महिला को खेत से उठाकर घर लाए और उसे इलाज के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है।

भव्य आतिशबाजी के साथ 100 फीट के रावण के पुतले का होगा दहन

» सरगुजा सेवा समिति व नागरिक समिति की संयुक्त बैठक में हुआ निर्णय

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

दशहरा महोत्सव की तैयारी जोरों पर है, सरगुजा सेवा समिति व नागरिक समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में वर्षों से अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में दशहरा महोत्सव मनाया जाता है इस वर्ष भी दशहरा महोत्सव की तैयारी जोरो से चल रही है। महोसव को लेकर सरगुजा सेवा समिति व नागरिक समिति की संयुक्त बैठक स्थानीय होटल पर्पल आर्किड में संपन्न हुई जिसमें सैकड़ो पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित हुए। सभी की सहमति से दशहरा महोत्सव में होने वाले आयोजनों की रूपरेखा बनाई गई जिसमें इस वर्ष रावण की लंबाई बढ़ा कर 100 फिट करने का निर्णय लिया गया व आतिशबाजी के बजट में भी बढ़ोतरी की गई, इस बार आतिशबाजी शिवाकाशी की टीम द्वारा की

जाएगी जो की अंबिकापुर में पहली बार होगा। शोभायात्रा पर भी अनेकों निर्णय लिए गए इस बार की शोभायात्रा में झांकियां की संख्या के साथ-साथ और भी आकर्षक चीजों को जोड़ा जाएगा,साथ ही शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाने आमजन से शामिल होने की अपील भी की जाएगी।महोत्सव के अंतर्गत रामचरितमानस प्रतियोगिता 17 व 18 अक्टूबर को शिशु मंदिर स्कूल के हाल में निर्धारित किया गया,व शैला नृत्य प्रतियोगिता 21 अक्टूबर को कला केंद्र मैदान में रखा जाएगा ,इस वर्ष प्रतियोगिताओं में मिलने वाली ईनाम की राशियों में भी बढ़ोतरी की गई है। इसी प्रकार और भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी, नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ,अखिलेश सोनी,भारत सिंह सिसोदिया ,राजेश अग्रवाल ,कृष्ण कुमार अग्रवाल,प्रकाश साहू,मुकेश अग्रवाल, ललन प्रताप सिंह,,राजू अग्रवाल,जेपी श्रीवास्तव, द्वितेंद्र मिश्रा,संजय अग्रवाल, शुभम अग्रवाल,संजय मित्तल,राजीव विश्वकर्मा, राकेश गुप्ता,नरेंद्र सिंह टुटेजा,चंद्र प्रताप सिंह, जयशंकर त्रिपाठी, राजेश कश्यप, प्रयागराज साहू, अनिल चटर्जी, बजरंग जिंदल, विद्यानंद मिश्रा, दुर्गेश गुप्ता, राकेश शुक्ला , महेंद्र अग्रवाल, श्रा,रणविजय सिंह तोमर,विजय बंसल,श्याम कुमार शर्मा ,महेंद्र अग्रवाल,मंजूषा भगत, मधु चौदाहा ,सीमा कश्यप, प्रीति सिंह राजपूत, बबली नेताम ,प्रियंका चौबे ,पूजा सोनी, नीलम राजवाड़े , किशोर शर्मा, नीरज अग्रवाल, जितेंद्र सोनी, आतिश शुक्ला ,देवेश त्रिपाठी, दीपक अग्रवाल, दिनेश कुमार शर्मा ,आशीष मंगल, सुधाकर सिंह ,देवेश शुक्ला ,सुभाष मल साहू,दिव्यांश केसरी,मुकेश सोनी व अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आगामी विधानसभा चुनाव में उपयोग होने वाले संसाधनों को लेकर आईजी ने दिया कई निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आईजी अंकित गर्ग द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुए रेंज स्तरीय लाईन डीएसपी, रक्षित निरीक्षकों की समीक्षा बैठक ली गई। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य रूप से आगामी विधानसभा चुनाव में उपयोग होने वाले संसाधनों, उपकरणों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई एवं फोर्स के ठहरने के उचित व्यवस्था, संसाधनों के बारे में समस्त रक्षित निरीक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा रक्षित केंद्र में तैनात बलों, आर्म्स एम्युनेशन, एमटी शाखा से संबंधित वाहनों के विस्तृत जानकारी एवं डीएचएमडी, एचएचएमडी तथा स्टोर में उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए बोले कि आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व उपरोक्त संसाधनों के शीघ्र मेंटेनेंस एवं आपूर्ति कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। मीटिंग के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर रूपेश डांडे, सीएसपी सरगुजा स्मृतिक राजनाला, डीएसपी सरगुजा मानक राम कश्यप, लाईन डीएसपी कोरिया श्याम मधुकर, डीएसपी सूरजपुर इमानुएल लकड़ा सहित जिले के समस्त रक्षित निरीक्षक उपस्थित रहे।

ग्रामीण पर मधुमक्यिों ने किया हमला,इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरी में 22 सितंबर की शाम को एक ग्रामीण पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था। ग्रामीण घर से कुछ ही दूरी पर मक्के की खेत में घेरावा कर रहा था। मधुमक्खियों के हमले में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए कुसमी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कालीचरण पिता उम्र 60 वर्ष बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम खजूरी का रहने वाला था। वह 22 सितंबर को घर से कुछ दूरी पर मक्के के खेत में घेरावा कर रहा था। तभी अचानक मधुमक्यिों ने उसपर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जानकारी होने पर परिजन उसे उठाकर घर लाए और इलाज के लिए कुसमी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

लूट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लूट के मामले में मणिपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार गणेश सोनी मनेन्द्रगढ़ जिला का रहने वाला है। वह अंबिकापुर में रहकर ऑटो चलाने का काम करता है। 2 सितंबर को वह शबर में ई-रिक्श चलाने निकला था। उसी दौरान सत्तीपारा निवासी विक्की सोनी व एक अन्य युवक ई-रिक्शा रूकवाकर उसे बंचारी की ओर चलने को बोला। इसके बाद दोनों बदमाशों ने चालक को लखनपुर रोड में चलने के लिए बोले। लखनपुर रोड में सूनसान स्थान पर ले जाकर दोनों बदमाशों ने इसके साथ मारपीट कर ई-रिक्शा लूटकर फरार हो गए। पीड़ित चालक ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराया था। वहीं 22 सितंबर की रात को ये दोनों बदमाशों ने शहर के

पंचशील गली में एक अन्य युवक के डराधमका कर 2 हजार नकदी, आईपैड व घड़ी लूट लिए थे। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस दोनों मामले में अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेही विक्की उर्फ विशाल सोनी पिता पवन सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी सत्तीपारा को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह अपने एक अन्य साथी के साथ दोनों लूट की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से लूटे गए ई-रिक्श व 5 सौ रुपए नकदी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं पुलिस ने दूसरी आरोपी की तलाश कर रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश सिंह, उप निरीक्षक अर्जुन यादव, सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दूबे, प्रआर सतीश सिंह, प्रआर महेश्वर शरण सिंह, प्रआर छत्रपाल सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, कुश सोनी, सुरेश गुप्ता, दिनेश यादव, जयदीप सिंह, रूपेश महंत, इन्द्रीश खान चालक आर शम्भू सिंह शामिल रहे।

एसटी इलेवन कंदरई व सरगुजा पुलिस की टीम सेमीफाइनल में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे स्व. एमएस इक्षसह देव स्मृति नॉक आउट फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत रविवार को 2 मैच खेला गया। पहला मैच न्यू स्पोटिंग चरचा बैकुंठपुर बनाम एसटी कंदरई सूरजपुर के मध्य खेला गया। दोनों टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। मध्यांतर तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में भी दोनों टिमों का सुघर्ष चलता रहा पर अंतिम समय में एसटी इलेवन कंदरई की टीम ने 1 गोल कर अपनी टीम के लिए 1-0 गोल से बढ़त बना ली। जो खेल समाप्त होने तक

बरकरार रहा। इस तरह एसटी इलेवन की टीम ने 1-0 गोल से न्यू स्पोटिंग चरख को हराकर सेमिफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं चौथा क्वार्टर फाइनल व दूसरा मैच सरगुजा पुलिस बनाम करगोड़ी बैकुंठपुर के मध्य खेला गया। सरगुजा की टीम ने 1-0 गोल से करगोड़ी बैकुंठपुर को हराकर सेमिफाइनल में जगह बना ली। सोमवार को पहला सेमिफाइनल सरगुजा इलेवन बनाम एसटी इलेवन सूरजपुर के मध्य खेला जाएगा।

छिंदगढ़,सुकमा को बनाएंगे सुंदर,और सुविधाओं से संपन्न

छत्तीसगढ़ परब मनाने सरपंचों को भी देंगे 10-10 हजार,बनेंगे रेस्ट हॉउस,स्कूल और सर्वसुविधायुक्त अस्पताल

- कोंडागांव नगर पालिका में सब्जी मंडी निर्माण,
- मालाकोट और डोंगरीगुड़ा में बनेगा मिनी स्टेडियम
- सीएम भूपेश ने की घोषणा

बस्तर,24 सितम्बर 2023(ए)। छिंदगढ़, सुकमा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आमसभा में अपने उद्बोधन में कहा हमारी बोली, संस्कृति, परंपरा और भाषा को सहेजने का काम हमने किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ परब मनाने के लिए हम सरपंचों को भी 10-10 हजार दे रहे हैं। सुकमा जिला हमारे दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार है। ये पीछे नहीं रहना चाहिए, लोग आएं और देखें कि सुकमा हमारा सबसे सुंदर जिला बने। यहां अच्छे स्कूल, चिकित्सालय बने और सुविधाएं बढ़े।

हम लगातार आपके हित में कार्य कर रहे हैं। विकास के काम हो रहे हैं। आप सबको विकास कार्यों की बहुत बहुत बधाई शुभकामनाएं। जिस प्रकार से सुकमा विकास के पथ पर चल रहा है, इस गति को रुकने नहीं देता है। आने वाले समय में भी विकास होता रहेगा।

आमसभा,छिंदगढ़,सुकमा में सीएम ने की घोषणा
छिंदगढ़ में रेस्ट हाउस के निर्माण की घोषणा

- तालनार में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए 30 बिस्तर अस्पताल निर्माण की घोषणा।
- आमजनों की सुविधाओं में वृद्धि करते हुए पोरदेम मार्ग में नवीन पुल का निर्माण होगा।
- मनकापाल से पुसेर मार्ग में मलगेर नदी में पुलिया का निर्माण।
- हम्मीरगढ़ से लिटीरास के बीच बारू नदी में पुल निर्माण की घोषणा।
- सुकमा जिले के मनकापाल, किस्टाराम, जगरगुंडा, बस्तर जिले के पोटानार, धुरागांव गूमड़पाल में धान खरीदी केंद्र की घोषणा।
- रोकेल से पेदारास के मध्य बारू नदी पर पुल निर्माण की घोषणा।
- केरलापाल से पोंगा भेज्जी मार्ग स्थित रेवड़ी नाला में पुलिया निर्माण की घोषणा।

सप्ताह में 5 दिन बच्चों को मिलेगा अलग-अलग स्वल्पाहार

सीएम बघेल ने किया मुख्यमंत्री स्वल्पाहार योजना का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुकमा जिले के छिंदगढ़ में जिले के 681 प्राथमिक शालाओं में मुख्यमंत्री स्वल्पाहार योजना का प्रारंभ किया।

सीएम ने स्कूली बच्चों को टिफिन बांटा। इस योजना के तहत कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों को सप्ताह के पांच दिन अलग-अलग मैन्यू के तहत स्वल्पाहार दिया जाएगा। जैसे सोमवार को पोहा, मंगलवार को दलिया, बुधवार को चना फ्राई, गुरुवार को मूंगदाल और शुक्रवार को वेज पुलाव दिया जाएगा। इससे सुकमा जिले के लगभग 17 हजार बच्चे लाभान्वित होंगे। योजना के तहत स्कूल के रसोइयों को 800 रुपए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जाएगी।

रिटायर्ड अधिकारी से नहीं होगी वसूली

हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने रिटायर्ड सहायक प्लाटून कमान्डर से वसूली के आदेश पर रोक लगा दी है. बिलासपुर के सकरी में रहने वाले महेन्द्र सिंह दूसरी बटालियन में सहायक प्लाटून कमान्डर के पद पर पदस्थ रहे हैं. 30 अप्रैल 2023 को महेन्द्र सिंह दूसरी बटालियन से रिटायर हो गए. सेवानिवृत्ति के 3 माह बाद महेन्द्र सिंह को सेवाकाल के दौरान विभागीय भविष्य निधि खाते में अधिक भुगतान का हवाला देते हुए भुगतान की राशि वसूली का आदेश जारी किया गया था. इस आदेश के खिलाफ महेन्द्र सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी. शनिवार को वसूली

आदेश पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है. बिलासपुर के दूसरी बटालियन में सहायक प्लाटून कमांडर के पद से महेन्द्र सिंह रिटायर हो गए. रिटायर होने के 3 माह बाद महेंद्र सिंह को उनके विभाग की ओर से गलती से याचिकाकर्ता के भविष्य निधि में अधिक भुगतान राशि जमा हो जाने की बात कही गई. साथ ही उनके खाते से 2,68,590 रुपए की वसूली का आदेश जारी कर दिया गया. इस आदेश के बाद वो मानसिक रूप से काफी परेशान हो गए. महेन्द्र काफी दिनों तक अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काटते रहे. लेकिन कहीं सुनवाई नहीं होने से परेशान उन्होंने वसूली आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की.

रिटायर्ड सहायक प्लाटून कमांडर महेंद्र सिंह ने अपने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और दुर्गा मेहर के माध्यम से कोर्ट में पुराने फैसलों को लेकर तर्क पेश किया. तर्क के अनुसार, साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से स्टेट ऑफ पंजाब वर्सेस रफीक मसीह के केस का जिक्र किया गया. उसके अलावा साल 2022 में थॉमस डेनियल वर्सेस स्टेट ऑफ केरला और अन्य के वाद में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था. निर्णय के अनुसार किसी भी तृतीय श्रेणी के सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी के सेवानिवृत्ति देयक से किसी भी तरह की वसूली नहीं की जा सकती. याचिकाकर्ता सहायक प्लाटून कमाण्डर के पद पर पदस्थ था, जो तृतीय श्रेणी का पद है. ऐसे में सेवानिवृत्ति देयक से किसी तरह की वसूली नहीं की जा सकती है.

ईडी कोर्ट में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव और चंद्रदेव राय को पेश होने का नोटिस

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के दो विधायकों की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं. ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने कथित कोल घोटाले में शनिवार को पूरक चालान पेश किया. इसमें दोनों विधायकों के नाम हैं. दोनों को 25 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होना है. इससे पहले दोनों को अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करना होगा. यदि जमानत नहीं मिली तो कोर्ट उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे सकता है. कोल परिवहन में 25 रुपए प्रति टन की कथित लेवी के मामले में ईडी ने पूरक चालान पेश किया है. इस मामले में आईएएस व पूर्व कलेक्टर रानू साहू और निखिल चंद्राकर की गिरफ्तारी हुई है, जबकि विधायक देवेंद्र यादव और चंद्रदेव राय

सहित कांग्रेस नेता व अन्य की गिरफ्तारी नहीं हुई है. इस मामले में अदालत ने दोनों विधायकों को नोटिस जारी किया है. 25 अक्टूबर को दोनों को पेश होना पड़ेगा, क्योंकि कोर्ट में पेश नहीं होने की स्थिति में वारंट जारी किया जाएगा. इसके बाद भी पेश नहीं होने पर गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो सकता है. वहीं, 25 अक्टूबर को पेश होने से पहले अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करना होगा. अग्रिम जमानत मिलने की स्थिति में गिरफ्तारी से राहत मिलेगी, अन्यथा जेल भेजने के आदेश हो सकते हैं. विधायकों के अलावा इस मामले के अन्य आरोपी, जिनके नाम पर पूरक चालान पेश हुआ है, उनमें पीयूष साहू, विनोद तिवारी, राम प्रताप सिंह, रोशन सिंह, मनीष उपाध्याय, नवनीत तिवारी और नारायण साहू शामिल हैं.

नहाड़ी मुठभेड़ में घायल ईनामी महिला नक्सली की हुई मौत

दंतेवाड़ा,24 सितम्बर 2023(ए)। अरनपुर थाना क्षेत्र अंर्तगत दंतेवाड़ा-सुकमा सीमा के नहाड़ी क्षेत्र में 20 सितंबर को हुए मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल एक और महिला नक्सली हिर्रे-सपना की मौत हो गई है।

महिला नक्सली हिर्रे-सपना पर 5 लाख का ईनाम घोषित है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने 5 लाख की ईनाम घायल महिला नक्सली हिर्रे-सपना के मारे जाने की पुष्टि की है।

नक्सल प्रभावित नहाड़ी के जंगलों में 20 सितंबर को हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों के शव मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान जवानों ने बरामद किये थे, जिसकी शिनाख्त 5

लाख की ईनामी लखमे एवं 2 लाख की ईनामी मंगली के रूप में हुई थी। इसके अलावा जवानों ने मौके से एक इंसास रायफल, एक भरमार सहित भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद किया था। जवानों ने इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने का दावा भी किया था, जिसके बाद हिर्रे सपना केरलापाल एरिया कमेटी मेंबर की मौत की खबर सामने आई है।

पुलिस का जुआरियों पर शिकंजा

11 जुआरी गिरफ्तार,लाखों रुपए कैश जब्त

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में जुआ सट्टा खेलने वाले बदमाश अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी बीच रायपुर पुलिस ने जुआ सट्टा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बीते दिनों रायपुर के तेलघानी नाका राजपुताना होटल के पीछे स्थित गैरेज पर पुलिस ने दबिश दी। पुलिस के शिकंजे में जुआ खेलते 11 जुआरी गिरफ्तार हुए। ढाई लाख नगदी समेत 9 मोबाइल जब्त किया गया।

वहीं इन जुआरियों पर पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि यह मामला रायपुर के गंज थाना में दर्ज हुआ है। पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

महिला आरक्षण में श्रेय लेने को लेकर नेताओं में तनातनी

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। नारी शक्ति वंदन तो पास हो चुका है, कौन कितनी महिलाओं का टिकट देगा अब इस पर नया बहस शुरू हो चुका है। 33 प्रतिशत आरक्षण का फायदा महिलाओं को मिले या न मिले लेकिन बिल पास होने के बाद से राजनीतिक सुर्खियों में बना हुआ है।

इस पर कांग्रेस और भाजपा में घमासान मचा हुआ है। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के महिलाओं आरक्षण पर श्रेय लेने की बात पर सीएम भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि सबसे ज्यादा टिकट हमने दिया। सबसे ज्यादा विधायक हमारे हैं। बीजेपी के पास एक है, हमारे पास 13 विधायक हैं।

बीजेपी से तेरह गुना ज्यादा हमारे पास विधायक हैं। अजय चंद्राकर हमेशा अपने बयानों को लेकर सुखियों में बने रहने के लिए कांग्रेस से छत्ते में पत्थर मारने में माहिर है। भाजपा के आरोप पत्र समिति के सदस्य के रुप में कांग्रेस सरकार पर भष्टाचारों की बौछार कर चुके है।आरक्षण मुद्दे पर सीएम भूपेश ने श्रेय लेनेके मामले को लेकर चंद्राकर को करारा जवाब देकर चुप करा दिया है।

कुछ मुद्दा नहीं मिला तो महिला आरक्षण को लेकर श्रेय लेने को लेकर नेताओं में वार और पलटवार का दौर शुरु हो गया है। मुख्यमंत्री अपने सधे हुए अंदाज में विपक्ष के तमाम आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए जबावी हमले भी कर रहे है। महिला आरक्षण जब लागू होगा तब महिलाओं लाभ मिलेगा, उसके पहले ही कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में 13 महिलाओं टिकट देकर अपनी मंशा जाहिर कर दिया था, कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी होना जरुरी है। अब बहस का मुद्दा यह है कि क्या कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं को आरक्षण का लाभ देगी यह जानने के लिए अजय चंद्राकर ने महिला आरक्षण पर श्रेय लेने का मुद्दा छेड़ दिया है।

आएंगे प्लेन से,तखतपुर सम्मलेन में इंटरसिटी से जायेंगे,एलटीटी एक्सप्रेस से लौटेंगे

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। कांग्रेस से प्रधानमंत्री फेस राहुल गांधी सोमवार की सुबह 9 बजे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचेंगे। वैसे तो राहुल दिल्ली से रायपुर आएंगे प्लेन से, लेकिन बिलासपुर के तखतपुर में आयोजित कांग्रेस के आवास सम्मलेन में ट्रेन से जायेंगे। विकल्प के तौर पर राहुल के लिए सड़क, हवाई मार्ग भी प्लान किया हुआ है।

राहुल रायपुर,बिलासपुर तक का सफर ट्रेन में तय कर सकते हैं। फ़िलहाल किस श्रेणी में बैठकर वो यह यात्रा करेंगे इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि उनके रायपुर से इंटरसिटी एक्सप्रेस और वापसी एलटीटी एक्सप्रेस से आना संभावित है।

राहुल दिल्ली से विमान से सुबह 9 बजे माना पहुंचेंगे। फिर 11.15 बजे रायपुर बिलासपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से रवाना होंगे। कल बिलासपुर के तखतपुर में कांग्रेस सरकार और संगठन का आवास सम्मेलन आयोजित है। इसे संबोधित करने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आ रहे हैं। शाम 5 बजे भी वे बिलासपुर से एलटीटी एक्स्प्रेस से रायपुर आकर सवा आठ बजे के विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। अभी यह तय नहीं है कि राहुल ट्रेन की जनरल, स्लीपर या एसी बोगी में सफर करेंगे।

उनके साथ सीएम भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम सिंहदेव, स्पीकर चरण दास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज भी होंगे। विस्तृत कार्यक्रम की प्रतीक्षा है। बता कि राहुल विधानसभा चुनाव और आने वाले लोकसभा चुनाव में आम जनों और हर वर्ग के मतदाताओं से रूबरू होने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

बीते दिनों खेत में रोपा लगाते, कुलियों संग सामान उठाते, ट्रक चलाते और दोपहिया वहां की सवारी करते उनकी फोटो, वीडियो खूब सुर्खियां बटोर चुकी हैं। भारत जोड़ो यात्रा करके उन्होंने जनता से सीधे जुड़ने का एक कामयाब प्रयास किया जिसे मतदाताओं का उन्हें अटेंशन भी मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिनों का समय बचा है। चुनाव को देखते हुए कांग्रेस और भाजपा के दिग्गज नेता लगातर छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रदेश में परिवर्तन यात्रा निकाल रही है। भाजपा की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने के लिए भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहा है। 14 सितंबर को पीएम मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर आए थे। वहीं, एक

बार फिर पीएम मोदी बैक-टू-बैक छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ आएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने पीएम मोदी के दौरे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, पीएम मोदी 30 सितंबर को बिलासपुर और 3 अक्टूबर को जगदलपुर के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी बिलासपुर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन समरोह में शामिल होंगे। बता दें कि, परिवर्तन यात्रा का समापन पहले 28 सितंबर को होने वाला था, लेकिन कुछ कारणों के चलते यात्रा के समापन की तिथि में बदलाव किया गया है।

नितीश भारद्वाज आज होंगे छत्तीसगढ़ में

रायपुर,24 सितम्बर 2023(ए)। रायपुर संस्कार भारती छत्तीसगढ़ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम हमारी संस्कृति हमारी पहचान के अंतर्गत (1001 देव रूपों में सुसज्जित बालक - बालिकाओ) का आयोजन 25 सितंबर 2023 दिन सोमवार को गांधी मैदान रामानुजगंज में समय शाम 5:00 बजे से प्रारंभ होगा। डॉ. पुरुषोत्तम

चंद्राकर छत्तीसगढ़ प्रांत सह महामंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मशहूर फिल्म अभिनेता एवं महाभारत सीरियल में श्री कृष्ण की भूमिका में रहे नितीश भारद्वाज जी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे जीनसे मिलने एवं एक झलक पाने लोग आतुर हैं एवं प्रतीक्षा कर रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अभ्यागत माननीय रामविचार नेताम जी पूर्व गृह मंत्री छत्तीसगढ़ शासन तथा विशिष्ट अतिथि निरंजन पंडा जी (भोपाल) राष्ट्रीय विद्या सहसंयोजक एवं अनिल जोशी जी (रीवा) मध्य क्षेत्र प्रमुख संस्कार भारती होंगे नीरज श्रीधर जी संस्कार भारती झारखंड प्रांत मंत्री, रंजीत सारथी जी जिला अध्यक्ष संस्कार भारती सरगुजा, अध्यक्षता रिखी क्षत्रीय जी छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष संस्कार भारती के आतिथ्य में संपन्न होगा।

कोरापुट-विशाखापटनम रूट पर हुआ भूस्खलन

यात्री और मालगाड़ी ट्रेनें रद्द

जगदलपुर/दंतेवाड़ा,24 सितम्बर 2023(ए)। लगातार बारिश की वजह से कोरापुट-विशाखापटनम मार्ग पर देर रात मनबर व जरटी स्टेशन के बीच भूस्खलन से रेलमार्ग बाधित हो गया। रेलमार्ग पर पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा आकर गिरने से ट्रैक और ओएचई केबल को काफी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते विशाखापटनम से किरंदुल व जगदलपुर के बीच चलने वाली ट्रेनें कोरापुट में ही रोका गया है।

भूस्खलन की सूचना पर रेलवे ने मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। रेल अधिकारियों ने बताया है कि लाइन क्लियर होने में दिन भर का समय लग सकता है। जिसकी वजह से राउरकेला से जगदलपुर आने वाली एक्सप्रेस, विशाखापत्तनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-जगदलपुर हीराखंड एक्सप्रेस कोरापुट में रद कर दी गई है।

वहीं जगदलपुर से सुबह पांच बजे हावड़ा के लिए रवाना हुई समलेश्वरी एक्सप्रेस जयपुर से वापस जगदलपुर लौट रही है। किरंदुल पैसेंजर को दंतेवाड़ा से जयपुर के बीच चलाया जाएगा।

जब पदोन्नति मामले के पदस्थापन में हो रही थी गड़बड़ी तब जान के भी अंजान क्यों बैठे थे शिक्षक नेता?

काउंसलिंग सहित पदस्थापना मामले में कुछ शिक्षक नेता बैचौलिए का काम कर रहे थे क्या इसलिए उन्होंने अपनी आंख बंद कर रखी थी?

- वहीं दिव्यांग शिक्षकों के मामले में भी जब नियम में शिथिलता नहीं थी और क्रम और वरिष्ठता ही आधार था पदस्थापना मामले में तब अब क्यों अलग अलग कारण बताकर सहानुभूति लेने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे शिक्षक जो पूरी प्रक्रिया से नाराज थे दोषपूर्ण प्रक्रिया है यह मानकर भी वह काउंसलिंग में भाग लेकर आज उन उन जगहों पर पदस्थ हैं जहां उनकी वरिष्ठता और काउंसलिंग का नियम नहीं कहता की वहां वह जाते या वैसी पदस्थापना वह पाते उनके साथ शिक्षक नेता क्यों खड़े नजर नहीं आए यह भी बड़ा सवाल है। काउंसलिंग सहित पदस्थापना मामले में कुछ शिक्षक नेता बैचौलिए का काम कर रहे थे इसलिए उन्होंने उस समय अपनी आंख बंद कर रखी थी अपना मूल कर्तव्य जो शिक्षक हित का मामला था उससे वह किनारा कर चल रहे थे क्योंकि उन्हें भी बैचौलिये बतौर एक हिस्सा मिल रहा था यह बात भी शिक्षकों ने स्वीकार की थी जब भ्रष्टाचार हो रहा था। आज जब वह शिक्षक जो दोषपूर्ण पदस्थापना मामले में कार्यवाही को लेकर इसलिए प्रसन्न हैं क्योंकि उनके हिस्से की पदोन्नति साथ ही पदस्थापना उन्होंने ले ली थी, जो बाद में क्रमशः उनके वरिष्ठता सूची में अपना नाम दर्ज पाते थे और कहीं न कहीं उन्होंने वरिष्ठ का हक मारकर भ्रष्टाचार के सहारे इस पदस्थापना को प्राप्त किया था जो अब निरस्त हुआ है की भी संख्या कम नहीं है और अब जिन नेताओं मंत्रियों और विधायकों के दरवाजे कार्यवाही शून्य कराने शिक्षकों की भीड़ पहुंच रही है शिक्षक नेताओं के नेतृत्व में उन्हे भी सोचना होगा की वह न्याय का साथ देते हुए संख्या बल अपने साथ जोड़ने की सोच रखें या अन्याय का साथ देकर संख्या बल का साथ ढूंढे, संख्या दोनो तरफ बराबर है निर्णय नेताओं मंत्रियों और विधायकों का अपने विवेक से ही सामने आएगा। वैसे शासन सरकार विभाग ने पूरे मामले में यह स्वीकार किया की भ्रष्टाचार हुआ है प्रथम दृष्ट्या जांच में भी यह साबित हुआ,सरकार ने भी इसे छवि धूमिल करने वाला विषय मानकर ही इसके निरस्तीकरण का फैसला लिया है वहीं शिक्षा मंत्री की छुट्टी कई संयुक्त संचालकों पर कार्यवाही भी इसी का परिणाम है और लगता नहीं अब सरकार खुद का कदम पीछे लेगी क्योंकि यदि सरकार कदम पीछे लेती है फिर से किरकिरी होगी यह तय है वहीं यह भी साबित होने में देर नहीं लगने वाला की भ्रष्टाचार को भी शिष्टाचार बनाया जा सकता है यदि संख्या बल साथ है तो।

शिक्षक संघ के नेता तब थे मौन जब खुलेआम हो रहा था भ्रष्टाचार का खेल,अब कार्यवाही हुई तो शिक्षक नेता सामने,क्या यही है शिक्षक नेता होने का धर्म?

जब शिक्षक पदोनत्ती साथ ही पदस्थापना मामले में संयुक्त संचालक कार्यालयों में खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा था जब शिक्षकों से वसूली हो रही थी वहीं जो वसूली और भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे थे उन पर कार्यवाही हो रही थी तब शिक्षक संघों के नेता कहां छिपे हुए थे यह भी सवाल अब उठ रहा है जब शिक्षक नेता दोषपूर्ण पदस्थापना मामले में हुई कार्यवाही शून्य कराने अपनी दौड़ नेताओं मंत्रियों विधायकों के पास लगा रहे हैं। पात्र को जब अपात्र किया गया पदस्थापना काउंसलिंग में जब नियमो को ताक पर रखकर प्रथम पात्र को दूरस्थ वहीं वरिष्ठता में कनिष्ठ को पास के स्कूलों में जब पदस्थ किया जा रहा था तब भी शिक्षक नेता मौन थे। अब उनका जागना क्या उनकी संलिप्तता मानने जैसा नहीं है यह भी सवाल उठ रहा है वहीं शिक्षक संघों वहीं नेताओं का कर्तव्य क्या है यह भी सवाल उठ रहा है क्योंकि यदि उनका आज का फर्ज उनका असली फर्ज है सही कर्तव्य है तो उस समय वह कहां थे या उनके साथ वह क्यों खड़े नजर नहीं आए जिनका नियमों में छेड़ छाड़ कर दूरस्थ पदस्थापना किया गया जिन्होंने या तो दोषपूर्ण पदोन्नति प्रक्रिया कहकर पदोन्नति का ही त्याग कर दिया था वहीं जब विरोध करने पर कुछ शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया था।

- ❒ सिर्फ एक संघ के शिक्षक नेता को संशोधन सूची के निरस्त होने से क्यों हो रही दिक्कत?
- ❒ कहीं पदोन्नति पदस्थापना मामले की गड़बड़ी में शिक्षक नेता भी तो नहीं थे शामिल?
- ❒ शिक्षक संघ आए अब सामने,न्याय की गुहार का कर रहे नाटक,जब हो रहा था खुलेआम अन्याय तब क्यों थे मौन?
- ❒ क्या शिक्षक नेता अपना दिखा रहे दोहरा चरित्र,जुगाड़ से संशोधन करने वालों के साथ दिख रहे खड़े पर जिन्होंने गड़बड़ी को देख अपनी पदोन्नति छोड़ दी उसके लिए शिक्षक नेता क्यों नहीं अडे?
- ❒ कई शिक्षकों से पदोन्नति लेने से अनियमितता की वजह से किया है इंकार,कई ने दूरस्थ पदोन्नति लेकर किया उसे स्वीकार
- ❒ पैसे देकर पात्र सहित वरिष्ठ को किया गया था पदोन्नति से वंचित तब शिक्षक संघ थे मौन
- ❒ सरगुजा संभाग में एक कथित शिक्षक नेता के नेतृत्व में जुटे खाद्य मंत्री से निवास पर दोषपूर्ण पदोन्नति लेने वाले शिक्षक
- ❒ शिक्षकों ने खाद्य मंत्री को गिनाई अपनी समस्या किसी ने दिव्यांग बताया तो किसी ने परिवारिक कारण बताया
- ❒ वहीं कई दिव्यांग सहित पारिवारिक समस्या से ग्रसित शिक्षकों ने दोषपूर्ण पदोन्नति पदस्थापना आदेश को किया था स्वीकार,स्वीकार की दूरस्थ पदस्थापना
- ❒ दोषपूर्ण पदस्थापना मामले में शिकायत की पुष्टि होने पर स्कूल शिक्षा विभाग ने रद्द की है पदस्थापना सूची,उसी का कर रहे दोषपूर्ण पदोन्नति पाने वाले शिक्षक विरोध
- ❒ क्या शासन स्कूल शिक्षा विभाग आएगा चुनाव में मद्देनजर शिक्षकों के दबाव में,क्या होगी दोषपूर्ण पदोन्नति मान्य?

-रवि सिंह-
अंबिकापुर/ बैकुण्ठपुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
क्या शिक्षक संघों ने शिक्षक से प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला वहीं सहायक शिक्षक से शिक्षक पदोनत्ती पदस्थापना काउंसलिंग के समय अपनी वह जिम्मेदारी निभाई थी जो उन्हे शिक्षक हितैसी होने के नाते निभानी चाहिए थी, यह सवाल आज उठ खड़ा हुआ है और सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि आज जब पूरी पदोन्नति प्रकिया सवालों के घेरे में हैं प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का खेल खेला गया जो प्रथम दृष्ट्या जांच में सही भी पाया गया प्रक्रिया में से आधी कार्यवाही आधी पदस्थापना जो संशोधन के नाम पर बाद में की गई थी निरस्त कर दी गई है, तब कुछ शिक्षक संघ सामने आए हैं और अब वह शिक्षकों को खासकर उन शिक्षकों को जिनकी पदस्थापना पदोन्नति उपरांत संशोधन आदेश के माध्यम से हुई थी जो शासन द्वारा विभाग द्वारा यह मानकर और जानकर निरस्त की गई है की मामले में भ्रष्टाचार हुआ है को लेकर विधायक मंत्रियों नेताओं के दरवाजे पहुंच रहें हैं और कार्यवाही जो पदस्थापना निरस्तीकरण की है उसे शून्य घोषित करने की मांग कर रहें हैं, इस मांग को लेकर पहुंच रहे शिक्षक नेता नेताओं मंत्रियों विधायकों को चुनाव के मद्देनजर यह भी समझा रहें हैं की सामने चुनाव है और यदि मामले में कार्यवाही शून्य नहीं की गई तो इसका नुकसान भी हो सकता है।

शिक्षक संघ के नेताओं द्वारा इस दौरान जिन शिक्षकों का पदस्थापना आदेश निरस्त हुआ है जिन्हे पूर्व जारी आदेश अनुसार कार्यभार ग्रहण करने का आदेश जारी हुआ है उनसे अभिनय भी करा रहें हैं नेताओं मंत्रियों सहित विधायकों के सामने जहां वह अपनी अलग अलग

जब पूरी प्रक्रिया ही शिक्षक पदोन्नति पोस्टिंग की नियम विरुद्ध थी तो फिर सिर्फ संशोधन लिस्ट को ही निरस्त क्यों किया गया?

मजबूरी समस्या बता रहें हैं और सहानुभूति कैसे मिल सके इसको लेकर पूरी तैयारी से जा रहें हैं। यहां एक बात ध्यान देने योग्य है वह यह की आज जो शिक्षक नेता दोषपूर्ण पदस्थापना मामले में दोषपूर्ण पदस्थापना पाने वाले शिक्षकों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं वह तब कहां थे जब प्रकिया में धांधली हो रही थी और जिसका कुछ शिक्षक ही बिना नेतृत्व विरोध कर रहे थे जबकि विरोध करने वाले शिक्षक साक्ष्य के साथ विरोध दर्ज कर रहे थे और उनमें से कुछ के विरुद्ध निलंबन की भी कार्यवाही हुई थी जो कहीं न कहीं शिक्षकों को विरोध करने वाले शिक्षकों को भयभीत करने वाली कार्यवाही थी। तब शिक्षक नेता क्यों सामने नहीं आए थे ऐसे शिक्षकों के पक्ष में क्या यह उनकी जिम्मेदारी नहीं थी? जबकि दोषपूर्ण पदोन्नति पदस्थापना काउंसलिंग प्रक्रिया से दुखी होकर कई ऐसे शिक्षकों ने उस समय या तो पदोन्नति का ही त्याग कर दिया था या उन्होंने यह जानकर भी की उन्हे जो पदस्थापना मिल रही है वह गलत है उनके हिस्से के उनके हक के विरुद्ध है उन्होंने स्वीकार की और आज वह दूरस्थ जाकर कार्य कर भी रहें हैं।

शिक्षक संघों के नेताओं को भी कहीं भय तो नहीं सता रहा बैचौलिए की भूमिका निभाने को लेकर उन्हे किसी कार्यवाही का अंदेशा तो नहीं?

शिक्षक संघ के नेता फिलहाल शिक्षा विभाग की कार्यवाही को गलत बता रहें हैं और वह मांग कर रहें हैं की जो संशोधन आदेश पदस्थापना सूची है जिसे निरस्त किया गया है उसकी कार्यवाही को शून्य किया जाए,नेताओं मंत्रियों विधायकों के दरवाजे पर डेरा डाले हुए हैं उन शिक्षकों के साथ शिक्षक नेता जिनका की पदस्थापना आदेश दोषपूर्ण मानकर निरस्त किया गया है। वहीं शिक्षक नेताओं की सक्रियता देखकर यह भी सुनने को मिल रहा है की सरकार ने वहीं विभाग ने मामले में जांच वहीं जांच के बाद अपराध पंजीबद्ध करने का भी निर्णय लिया हुआ है और वह भी कार्यवाही हो सकती है और यही वजह है की कुछ शिक्षक नेता परेशान हैं मानसिक रूप से दबाव में हैं क्योंकि उन्हें यह भय सता रहा है की यदि जांच हुई कार्यवाही की बात सामने आई तो यदि उन्होंने सही मायने में बिचौलिए का काम किया है तो उन तक भी जांच की आंच पहुंचेगी और वह निश्चित रूप से कार्यवाही की जद में आयेंगे इसलिए वह परेशान हैं और अब नेताओं मंत्रियों विधायकों के यहां वह उन शिक्षकों का झुंड लेकर पहुंच रहें हैं जिन्होंने दोषपूर्ण तरीके से पदस्थापना प्राप्त की थी और जो निरस्त हो चुकी है और उन्ही शिक्षकों से वह नेताओं मंत्रियों सहित विधायकों पर दबाव बनाना चाहते हैं जिससे उनकी करनी सामने आने से बच सके यह भी अंदेशा जताया जा रहा है शिक्षक नेताओं की सक्रियता को देखकर। वहीं बताया यह भी जा रहा है की यदि जिन शिक्षकों का आदेश निरस्त हुआ है पदस्थापना संशोधन वाल यदि वह अपना मुंह खोल दिए और निरस्त रहने की स्थिति में आदेश यदि उन्होंने राशि की मांग अपनी कर दी कुछ शिक्षक नेता भी उनके हाशिए पर होंगे जिन्होंने उनके लिए बिचौलिए का काम किया था।

शिक्षक नेता हैं यदि शिक्षक हितों को लेकर हैं खबरदार हैं, वह ईमानदार तो क्यों नहीं वह उनके साथ खड़े नजर आए जिन शिक्षकों के साथ सही मायने में हुआ था अन्याय?

आज शिक्षक नेता लगातार नेताओं मंत्रियों सहित विधायकों का दरवाजा खटखटा रहे हैं वह दोषपूर्ण पदोन्नति पदस्थापना मामले की उस कार्यवाही को शून्य करने की मांग कर रहें हैं जिसके अनुसार दोषपूर्ण पदस्थापना निरस्त की गई है। वहीं शिक्षक नेताओं की आज की सक्रियता देखकर यह सवाल खड़ा हो रहा है की शिक्षक नेता जो आज शिक्षक हितों को लेकर खुद को खबरदार और ईमानदार साबित करने का प्रयास कर रहें हैं वह उस समय कहां थे जब वाजिब और असली हक रखने वाले किसी पदस्थापना विद्यालय का के साथ अन्याय हो रहा था उनका हक छीना जा रहा था। तब वह मौन थे और तब उनका कर्तव्य उन्हे क्यों नहीं याद आया था,सवाल शिक्षक नेताओं पर कई हैं क्योंकि यह वही शिक्षक नेता हैं जो जब एक तरफ अधिकांश शिक्षक पदोन्नति काउंसलिंग प्रक्रिया को दोषपूर्ण बता रहे थे अपने साथ अन्याय की बात साबित कर रहे थे अधिकारियों की कार्यवाहियां झेल रहे थे निलंबित हो रहे थे वहीं यह अधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत कर रहे थे उनका सम्मान कर रहे थे वह भी जो अधिकारी आज उसी दोषपूर्ण पदस्थापना मामले में निलंबित हैं उनके स्वागत सम्मान में उनका महिमा मंडन करते हुए।क्या यही है शिक्षक नेताओं का धर्म और उनका कर्तव्य यह बड़ा सवाल आज खड़ा है जो कहीं न कहीं शिक्षक नेताओं लिए भी विचारणीय होना चाहिए क्योंकि आज जब वह सामने हैं तब उस समय क्यों वह मुंह छिपाए बैठे थे जब सही मायने में गलत हो रहा था।

क्या मंत्री विधायकों सहित नेताओं पर दबाव बना शिक्षक संघ सरकार और विभाग को कार्यवाही से पीछे हटने राजी करा लेगा?

अब देखने वाली यह बात है की पदोन्नति पदस्थपना संशोधन आदेश जिसे शासन के निर्देश पर विभाग ने निरस्त कर दिया है और मामले में पूरी गंभीरता से वह कार्यवाही के लिए तत्तपर है वहीं जांच कर पूरे मामले में अपराध पंजीबद्ध करने की भी तैयारी में हैं वह मामले में खुद को पीछे की ओर खींचती है वह भी शिक्षक नेताओं के उस दबाव की वजह से जो वह अपने स्थानीय मंत्रियों विधायकों सहित नेताओं पर बना रहें हैं और जिसके बाद यही दबाव मंत्री नेता विधायक सरकार और विभाग पर बनाने वाले हैं।वैसे यह विषय अब सरकार की छवि से जुड़ा विषय और पूरे मामले में सरकार की काफी किरकिरी होने के बाद सरकार ने यह बड़ा कदम उठाया है और वह इससे पीछे हटेगी लगता नहीं है क्योंकि सरकार ने इसे कितना गंभीर विषय और मामला माना है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया का सकता है की मामले में एक मंत्री का मंत्री पद छीन लिया गया है वहीं कई बड़े अधिकारी मामले में निलंबित किए जा चुके हैं वहीं सरकार भी यह जान चुकी है की आज जो खुद को मजबूर दिव्यांग या पारिवारिक कारणों से दुखी या परेशान बताकर राहत मांग रहें हैं यह वही लोग हैं जिन्होंने जब लेनदेन से पदस्थापना लेने की बात सामने आई तब लेनदेन को तव्वजो देकर असली हकदार का पद पदस्थापना छीनने का काम किया था।

राजीव मितान क्लब ने झांकी प्रतियोगिता का किया आयोजन

गणेश पूजा समितियों ने दिखाया उत्साह, कार्यक्रम की हो रही है जम के सराहना

-संवाददाता-
चिरमिरी,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ सरकार की सरकार योजनाओं को धरातल पर प्रचार प्रसार के उद्देश्य से बनाई गई है राजीव मितान क्लब द्वारा इन दोनों पूरे इलाके में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में आईबी चिरमिरी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए गणेश पूजा की समितियां को धार्मिक आयोजन के धर्म कर्म आदि नियमों के तहत सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभिन्न प्रकार के पुरस्कार दिए जाने हेतु चयन समिति का गठन कर एक भव्य गरिमामई आयोजन किया गया। चयन समिति के गोपाल द्विवेदी राकेश श्रीवास्तव रविंद्र सिंह राजेश्वर श्रीवास्तव शोएब अख्तर शिवांश जैन के.डी.महंत उमाशंकर अलगमकर आशुतोष मिश्रा उपस्थित रहे जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय आकर्षण पुरस्कार दिया जाएगा।

उल्लेखनीय रहे की छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार के द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमो में अपनी सीधी सहभागिता के लिए राजीव मितान क्लब का गठन कर प्रतिभावान युवा वर्ग को एक अच्छा मंच प्रदान किया है मनेद्रगढ़ विधानसभा सामानव्यक प्रमोद सिंह के नेतृत्व में एमएन राय पेट्रोल पंप के सामने बनाए गए मंच पर बैठे निर्णायक मंडली ने नगर के गणेश पूजा समितियां को धार्मिक नियमों और विधि विधान के अनुरूप पूजा विसर्जन का कार्यक्रम करेगा उसे ही सम्मानित किया जाएगा, लगभग हल्दीबाड़ी शहर की सभी पूजा समितियां अपना नाम चयनित करवाने के लिए ललायित दिख रही थी,सभी ने धार्मिक नियमों भक्ति गानों के तहत विसर्जन किया गया जल्द ही एक तिथि तय कर पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

पुलिस ने जुआ खेल रहे 10 जुआड़ियों को पकड़ा, 34100 रूपये किया बरामद

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
अवैध शराब, जुआ, नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्व कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में बीते दिन जयनगर पुलिस ने ग्राम बीरपुर जंगल में हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलने के मामले में 4 जुआड़ियों को रंगे हाथों पकड़ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। बीते दिन थाना प्रभारी को मुखबीर ने सूचना दिया कि बीरपुर जंगल में कुछ जुआडियान रूपये पैसे की हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जुआ खेल रहे 4 व्यक्ति तनवीर, बिहारी राम राजवाड़े, विनोद विश्वकर्मा व सुखदेव सिंह को पकड़ा जिनके कब्जे व जुआ फड से 33100 रूपये जप्त कर चारों के विरूद्व छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर सरफराज फिरदौसी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह, आरक्षक दिनेश ठाकुर, श्याम सिंह, सैनिक नोहर, अकबर व जहांगीर सक्रिय रहे। वहीं दूसरे मामले में रविवार को थाना चंदौरा पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर हारजीत का दाव लगाकर ग्राम मटिगड़ा में जुआ खेल रहे विनोद नायक, मुन्नीलाल, विजय, मन्नू गुप्ता, अनिल गुप्ता व राजू प्रसाद राजवाड़े को पकड़ा जिनके कब्जे व जुआ फड से 1000 रूपये जप्त कर छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चंदौरा निलिमा तिर्की, एएसआई राम सिंह, प्रधान आरक्षक उदय सिंह, प्रमोद लकड़ा, आरक्षक मनमोहन विश्वकर्मा, शिवभजन राजवाड़े, सूरज पाटिल सक्रिय रहे।

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
चिरमिरी,24 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र के महाप्रबंधक व अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति नवनीत श्रीवास्तव की अध्यक्षता में श्यामली विश्रामगृह में संपन्न हुई। विद्यालय के प्राचार्य एन.के. सिन्हा ने अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव व समिति के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए सभी मुद्दों को अध्यक्ष के समक्ष पेश किया। उक्त बैठक में प्राचार्य ने विद्यालय के प्रबंधन एवं आधारभूत संरचना के विकास संबधित मुद्दे जिनमें विद्यालय की उपलब्धियां, शिक्षण में नवप्रवर्तन का समावेश, विद्यालय भवन एवं बाउन्ड्रीवाल की मरम्मत, रंग रोगन, विद्यालय में नियमित पदों की रिक्तता एवं संविदा शिक्षकों की नियुक्ति, विद्यालय में पठन-पाठन हेतु स्मार्ट बोर्ड की व्यवस्था, स्टाफ क्वार्टर की मरम्मत एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक अखिलेश कंडारिया ने एसईसीएल द्वारा कराये जा रहे नवीकरण कार्य की स्थिति एवं भावी कार्ययोजनाओं को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। बैठक में अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने सभी मुद्दों को संज्ञान में लेते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए व हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया एवं विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा कर दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दी। उक्त बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित एस.के. दास, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, नामित अध्यक्ष अरुण सिंह चोहान, एस.ओ.सिविल के प्रतिनिधि, लाहिड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम किंकर पाण्डेय, डी.ए.व्ही स्कूल बरतुंगा के प्राचार्य एस.के. पाण्डेय के अलावा अभिभावक सदस्य के रूप में श्रीमती सुनीता सोनी, सुनील कुमार उपस्थित रहें। कार्यक्रम के समापन में आभार प्रदर्शन जितेन्द्र मिश्रा के द्वारा किया गया।

क्या सरगुजा पैलेस का विरोधी कोरिया पैलेस का बना हितैषी ?

पार्टी ने जो सर्वे कराया है उसमें आगे चल रहे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाएगी या फिर बड़े नेता की पूंछ पकड़ने वाले को मिलेगा मौका ?

क्या कांग्रेस पार्टी परफॉर्मेंस रिपोर्ट,सर्वे रिपोर्ट व एलआईबी रिपोर्ट पर भरोसा कर प्रत्याशी चुनेगी ?

परफॉर्मेंस रिपोर्ट खराब होने के बावजूद क्या बड़े नेताओं की पूंछ पकड़कर बनेंगे कुछ लोग उम्मीदवार ?

यदि सर्वे रिपोर्ट व एलआईबी रिपोर्ट पर प्रत्याशी तय हुए तो वेदांती तिवारी व अशोक जायसवाल मे से कोई एक हो सकते हैं विकल्प

अंबिकापुर पैलेस विरोधी गुट कोरिया पैलेस के समर्थन में टिकट के लिए लगा रहा है पूरा जोर,वर्तमान विधायक को टिकट मिलने पर उनकी सफलता का राज...सूत्र

- सूत्रों की यदि माने तो कोरिया पैलेस परिवार से ही बैकुंठपुर विधानसभा की वर्तमान विधायक आती हैं,वहीं सरगुजा पैलेस पिछले चुनाव में उनका सबसे बड़ा मददगार भी बना था और उनकी जीत भी सुनिश्चित हुई थी लेकिन इसबार की परिस्थिति बदली हुई है,सूत्र ही कहते हैं की बैकुंठपुर की वर्तमान विधायक को पुनः टिकट दिलाने सरगुजा पैलेस विरोधी गुट सबसे ज्यादा सक्रिय है। सरगुजा पैलेस विरोधी गुट हर स्तर पर इस प्रयास में लगा हुआ है की बैकुंठपुर की वर्तमान विधायक का टिकट किसी भी स्थिति में न कटने पाए।अब इस बात में कितनी सच्चाई है यह तो पार्टी के जिम्मेदार ही इसका आंकलन कर सकते हैं लेकिन हाल फिलहाल की कुछ घटनाओं के बाद और सरगुजा पैलेस विरोधी गुट की कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में सक्रियता के बाद यह बात दमदार भी नजर आती है क्योंकि ऐसा कुछ यहां भी लोगों ने पार्टी के महसूस किया है।

सरगुजा पैलेस से बैकुंठपुर पैलेस खासकर विधायक बैकुंठपुर की दूरियां बढ़ गई हैं

वैसे सरगुजा पैलेस विरोधी गुट के बैकुंठपुर विधायक के समर्थन में खड़े होने से यह भी बात सच होती नजर आ रही है जो पहले केवल लोग संभावना भर व्यक्त करते थे की सरगुजा पैलेस से बैकुंठपुर पैलेस खासकर विधायक बैकुंठपुर की दूरियां बढ़ गई हैं जो शायद आगे और खुलकर देखने सुनने को मिलने वाली खबर होगी जो फिलहाल दबी जबान लोग कह सुन रहें हैं। वहीं यदि इस बात में यदि जरा भी सच्चाई है जिसके अनुसार सरगुजा पैलेस विरोधी गुट का बैकुंठपुर विधानसभा में हस्तक्षेप यदि टिकट मामले में लेकर कांग्रेस में होने की बात सही है तो यह भी सरगुजा पैलेस के लिए बड़ा विचारणीय विषय हो जाता है, क्योंकि उनका पिछले चुनाव में योगदान बैकुंठपुर विधानसभा को लेकर सभी को ज्ञात है।

सर्वे के आधार पर टिकट का होगा वितरण या बड़े नेताओं की पूंछ पकड़कर कर चल रहे दावेदार को मिलेगा अवसर?,टिकट वितरण के बाद स्थिति होगी स्पष्ट

सत्ताधारी दल की यदि बात की जाए तो प्रदेश के मुख्यमंत्री ने साफतौर पर यह कई बार कहा है और ऐसे संकेत उन्होंने दिए हैं की विधायक अपनी परफॉर्मेंस सुधारते हुए काम करें जिससे उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट मिलने में परेशानी न हो,परफॉर्मेंस सुधारने की चेतावनी भी विधायकों को कई बार मुख्यमंत्री दे चुके हैं,वहीं उसके बावजूद कई विधायकों का परफॉर्मेंस सुधर नहीं सका और जो पार्टी के ही सर्वे साथ ही एल आई बी रिपोर्ट से जानकारी पार्टी को मिलती रही है जैसा सूत्रों का कहना है।वहीं पार्टी के सर्वे में और एल आई बी रिपोर्ट अनुसार कई ऐसे भी दावेदारों और कांग्रेस नेताओं का नाम आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बतौर सामने आया है जिनका जनाधार भी मजबूत है और उनके जीतने की संभावना भी अत्याधिक है कम से कम वर्तमान विधायक से ज्यादा अब पार्टी अपने सर्वे और एल आई बी रिपोर्ट के आधार पर जिताऊ प्रत्याशी को टिकट देती है या फिर उसे जो बड़े नेताओं की पूंछ पकड़कर मात्र टिकट की दौड़ में शामिल है यह बड़ा सवाल है वहीं यह सभी कुछ सभी आशंकाएं अब तभी समाप्त हो सकेंगी जब टिकट का वितरण कर दिया जायेगा और नाम तय कर दिया जायेगा की कौन किस विधानसभा से प्रत्याशी होगा।

बड़े नेताओं की महिमा की वजह से सभी पहलुओं को दरकिनार कर वर्तमान विधायक पर ही जताया जा सकता है भरोसा,यह भी संभावना...

बैकुंठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल कांग्रेस से फिलहाल कई हैं विधानसभा चुनाव के लिए टिकट के दावेदार

क्या वर्तमान विधायक की टिकट हो पक्की इसके लिए सरगुजा पैलेस विरोधी गुट प्रदेश स्तर पर कर रहा प्रयास ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,24 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा 2023 का बिगुल फूंका जा चुका है और इस समय कशमकश है तो सिर्फ प्रत्याशियों के चयन की यदि वर्तमान में कांग्रेस यानी कि सत्ताधारी दल की बात की जाए तो इनका प्रत्याशी तय करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि यह सत्ता में है और दोबारा सत्ता मैं बने रहना जरूरी है, इसलिए यहां पर प्रत्याशियों के चयन को लेकर काफी कशमकश है, खासकर अभिभाजित कोरिया जिले के तीनों विधानसभा सीटों पर, वैसे सत्ताधारी दल के लिए सारे विधायकों का सर्वे रिपोर्ट पार्टी के पास पहुंच चुका है, एलआईबी रिपोर्टिंग भी हो चुकी है और तरह-तरह के सर्वे कराए जा चुके हैं, सारी रिपोर्ट प्रत्याशी चुनने वाले समिति के टेबल पर रखी जा चुकी है, सिर्फ कुछ करना शेष बचा है तो वह है औपचारिक तौर पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा, बैकुंठपुर विधानसभा में वेदांती तिवारी व अशोक जायसवाल का नाम सबसे ऊपर एवम जिताऊ प्रत्याशी के रूप में सामने आ रहा है, सभी सर्वे रिपोर्ट या एलआईबी रिपोर्ट की बात की जाए तो

यही दो नाम बैकुंठपुर विधानसभा में पार्टी को जीत दिला सकते हैं पर वही सारी रिपोर्ट को दरकिनार करके बड़े नेता के रिकमेंडेशन पर टिकट तय होता है तो वर्तमान विधायक को दोबारा मौका मिल सकता है।

वैसे सूत्रों का कहना है की बैकुंठपुर विधायक की टिकट पक्की हो इसके लिए सरगुजा पैलेस विरोधी एक गुट वह काफी जोर शोर से लगा हुआ है डटा हुआ है जिससे वर्तमान विधायक का टिकट किसी भी हाल में कटने न पाए। सरगुजा पैलेस विरोधी जिस गुट की बात बैकुंठपुर विधायक के लिए टिकट प्रयास को लेकर सामने आ रही है वह गुट टी एस सिंहदेव के लिए भी उनके विधानसभा में दिक्कत खड़ी करने वाला है आने वाले चुनाव में और फिलहाल बैकुंठपुर विधायक उसी गुट के साथ हैं जैसा सूत्रों का कहना है क्योंकि सरगुजा पैलेस विरोधी उक्त गुट को काफी प्रभावशाली माना जाता है प्रदेश की कांग्रेस पार्टी की राजनीति में। वैसे सभी बातें सूत्रों से मिल रही जानकारी अनुसार सामने रखी जा रही हैं वहीं बैकुंठपुर विधानसभा में यदि पार्टी किसी भी सर्वे या एलआईबी रिपोर्ट को आधार बनाकर यदि टिकट वितरण करेगी तो वेदांती तिवारी या अशोक जायसवाल के अलावा किसी का नाम सामने नहीं आएगा यह भी बड़ी सच्चाई है। वैसे हाल फिलहाल में बैकुंठपुर विधायक के लिए सरगुजा पैलेस विरोधी एक गुट जो काफी मेहनत कर रहा है उनके लिए टिकट तय कराने के लिए वह गुट बैकुंठपुर विधायक के लिए बैकुंठपुर विधानसभा में भी मेहनत कर रहा है और एक अलग संगठन अपने स्तर पर तैयार कर रहा है जो अंदरखाने फिलहाल मेहनत कर रहा है और टिकट मिलते ही वह पूरी तरह सक्रिय होगा तब उसकी पहचान भी सामने आ सकेगी की कौन कौन उस गुट से वर्तमान विधायक के साथ खड़ा है और मेहनत कर रहा है।

क्या बैकुंठपुर विधायक की सरगुजा पैलेस से बढ़ चुकी है दूरी,क्या इसीलिए उन्हें लेना पड़ रहा है सरगुजा पैलेस विरोधी गुट से सहयोग

सरगुजा पैलेस के विरोधी गुट का बैकुंठपुर विधानसभा टिकट वितरण मामले में खासकर सत्ताधारी दल के विधायक के लिए वितरित किए जाने वाले टिकट मामले में हस्तक्षेप से यह भी सवाल उठता है की क्या वर्तमान बैकुंठपुर विधायक की सरगुजा पैलेस से दूरियां बढ़ गई है,क्या अब उन्हे सरगुजा पैलेस गुट से उम्मीद नजर नहीं आ रही है।वहीं यह सच है की सरगुजा पैलेस गुट से बैकुंठपुर विधायक की दूरी बढ़ चुकी है और उन्हे सरगुजा पैलेस गुट का समर्थन नहीं मिलने वाला इसलिए वह अब सरगुजा पैलेस विरोधी गुट से सहयोग प्राप्त कर रहीं हैं यह भी सूत्रों के दावे अनुसार सत्य नज़र आ रहा है।। वैसे सरगुजा पैलेस विरोधी गुट की यदि बात की जाए तो वह कोई भी कोर कसर बैकुंठपुर विधायक के लिए टिकट की मांग में नहीं छोड़ रहा है जैसा की सूत्रों का दावा है।

बैकुंठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल,सर्वे रिपोर्ट,एलआईबी रिपोर्ट को अमान्य कर भी दे सकती है टिकट,सूत्रों के हवाले से जानकारी

बैकुंठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल टिकट वितरण मामले में सर्वे रिपोर्ट सहित एल आई बी रिपोर्ट को दरकिनार कर भी टिकट वितरण या प्रदान कर सकती है ऐसा सूत्रों के हवाले से खबर है। पार्टी यहां सभी संभावनाओं को दरकिनार कर जिसमे हार की संभावना प्रबल है वर्तमान विधायक पर ही दांव लगाएगी यह तय है यह सूत्रों का दावा है। टिकट की घोषणा के बाद इस बात पर मुहर भी लग जायेगी यह भी सूत्रों की तरफ से संकेत हैं। अब देखना है की क्या सूत्रों की बात सही साबित होती है क्या वर्तमान विधायक ही सत्ताधारी दल से प्रत्याशी बनाई जाती हैं। वैसे संभावना वर्तमान विधायक के तरफ ही इशारा कर रही हैं।

यह है प्रमुख दावेदार

- खैर यदि बैकुंठपुर विधानसभा की आज की स्थिति सत्ताधारी दल को लेकर देखी जाए और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी से विधायक पद के लिए योग्य प्रत्याशी की बात की जाए तो फिलहाल तीन नाम ही फिलहाल बैकुंठपुर विधानसभा से सत्ताधारी दल के प्रत्याशी बतौर प्रमुख रूप से सामने हैं जिनमे एक स्वयं वर्तमान विधायक हैं वहीं दो अन्य में एक जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का नाम है वहीं एक नाम पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल का नाम प्रमुख है,वहीं यदि सर्वे रिपोर्ट की बात करें या एलआईबी रिपोर्ट की बात करें तो सत्ताधारी दल से सबसे ज्यादा संभावना जीत के करीब की संभावनाओं के साथ दो ही प्रत्याशी या दावेदारों का नाम प्रमुख रूप से सामने आता है जो सूत्रों का कहना है उसमे एक नाम जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का है वहीं दूसरा नाम पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल का नाम है। अब टिकट किसको मिलना है कौन प्रत्याशी सत्ताधारी दल कांग्रेस से होगा यह तो भविष्य के गर्भ का विषय है लेकिन माना जा रहा है और जनचर्चा है की वर्तमान विधायक के लिए यह चुनाव आसान चुनाव नहीं होने वाला और उन्हे विपक्षी उम्मीदवार से तो लड़कर जीत का मार्ग तय करने का प्रयास तो करना ही होगा वहीं उन्हे सत्ताधारी दल के संगठन और कार्यकर्ताओं को भी एक एक करके उन्हें विश्वास में लेना होगा जो फिलहाल उनसे काफी दूर नजर आ रहे हैं। वैसे सत्ताधारी दल का साफ संकेत लगातार जारी हो रहा है जिसमे पार्टी का सर्वे और विधायक के परफॉर्मेंस के आधार पर ही टिकट प्रदान करने की बात विधायकों के लिए की जा रही है और यदि वही फार्मूला पार्टी अपनाती है टिकट वितरण में तो वर्तमान विधायक के लिए टिकट पाना भी मुस्किल नजर आ रहा है।

बैकुंठपुर की राजनीति में पहली बार होगा ऐसा जब टिकट वितरण में विधानसभा व जिले के नेताओं की कार्यकर्ताओं की बजाए अन्य जिले के नेताओं की होगी दखलंदाजी

कोरिया जिले की राजनीति की बात करें या कांग्रेस पार्टी के कोरिया जिले की राजनीति की बात करें दोनो ही स्थिति में ऐसा पहली बार होने जा रहा है की जिले की एकमात्र बची विधानसभा के लिए सत्ताधारी दल विधायक प्रत्याशी तय करने के लिए जिले की विधानसभा से बाहर के किसी बड़े नेता का कहना मानने वाली है। बैकुंठपुर विधायक का यदि टिकट तय होता है तो सूत्रों की बात सच होगी जिसके अनुसार सरगुजा से वर्तमान विधायक के लिए टिकट की मांग बड़े नेता कर रहें हैं वहीं बैकुंठपुर विधानसभा सहित कोरिया जिले से टिकट वितरण मामले में किसी पदाधिकारी या कार्यकर्ता का मत नहीं पूछा जा रहा है न उनसे सहमति ही ली जा रही है।वैसे यदि यह सच है तो यह भी देखने को आने वाले समय में मिलने वाला है की अब कोरिया जिले की राजनीति में खासकर सत्ताधारी दल की राजनीति में सरगुजा के कांग्रेस नेताओं की दखलंदाजी होगी वहीं जिले के पदाधिकारी कार्यकर्ता किनारे कर दिए जायेंगे।

भाजपा युवा मोर्चा ने पीएससी में हुए घोटाले को लेकर प्रदेश की भूपेश सरकार एवं पीएससी चेयरमैन टामन सोनवानी की निकाली शव यात्रा

-संवाददाता-
कोरबा,24 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) में हुए घोटाले को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ट्रांसपोर्ट नगर सीएसईबी चौक से भूपेश सरकार की शव यात्रा निकाली । पीएससी के चेयरमैन टामन सोनवानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। युवा मोर्चा ने आरोप लगाया कि पीएससी चेयरमैन के करीबियों का सिलेक्शन हुआ। बड़े पुलिस अधिकारियों एवं कांग्रेस के करीबी नेताओं के रिश्तेदारों का सिलेक्शन हुआ है। यह बेहद शर्मनाक है। प्रदेश की भूपेश सरकार ने युवाओं के साथ घोर अन्याय किया है। प्रदेश की युवा इस भ्रष्टाचारी कांग्रेस के इस शर्मनाक करतूत का मुंहतोड़ जवाब देने के

लिए तैयार हैं। प्रदेश की भूपेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी, लेकिन किसी को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिला। इन्होंने 10 लाख लोगों को रोजगार देने की बात कही थी ये सब जुमला साबित हुआ। यह सरकार ना हीं सही तरीके से पुलिस भर्ती कर पाई और ना ही शिक्षा कर्मी युवा बेरोजगार कांग्रेस सरकार के कुशासन का दंश झेल रहे हैं। इस अवसर पर जिला महामंत्री नरेंद्र देवांगन, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद पटेल, जिला उपाध्यक्ष बृजेश यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रीति स्वर्णकार, भूपेंद्र साहू, सुभाष राठौर, जिला कार्यसमिति सदस्य अतुल राजपूत, संजय मानिकपुरी, मण्डल अध्यक्ष मुकुंद सिंह कंवर सहित अन्य युवाजन उपस्थित रहे।

फर्जी बिल के सहारे सरपंच एवं सचिव सरकार को लगा रहे चूना

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,24 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

खड़गवां जनपद मुख्यालय के ग्राम पंचायत देवाडाड के पारा मोहल्ले आश्रित गांवों के विकास के लिए पंचायती राज का गठन किया गया है, जहां ग्राम पंचायतों में हर पांच वर्ष के लिए गांव की जनता ग्राम पंचायत मे ग्राम की सरकार चुनाव करती है। जो अपने गांव के विकास के साथ एक जिम्मेदार नागरिक रहता है। शासन ग्राम पंचायतों को मूलभूत, 14वें- 15वें वित्त आयोग के माध्यम से प्रत्येक वित्त वर्ष में एक बड़ा फंड उपलब्ध कराती है, ताकि ग्राम पंचायते अपनी आवश्यकतानुसार सुचारू रूप से ग्रामीण जनता को मूल भूत एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ अन्य विकास कार्यो को करा सके। लेकिन ग्राम पंचायत देवाडाड की जनता द्वारा चुने गए सरपंच रमेश कुमार भगत के द्वारा धन की लालसा में गांव का विकास कम किया है और सचिव के साथ मिलीभगत करके पंचायत के विकास में मद की राशि का दुरुपयोग करने में कोई कोर कसर नही छोडी है। कुछ इसी तरह का मामला जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत देवाडाड का सामने आया है जहां के निर्वाचित

सरपंच रमेश कुमार भगत ने सचिव से सांठगांठ करते हुए ऐसा करनामा किया कि भवन मरम्मत लिपाई पुताई गौठान निर्माण कार्य में जेसीबी से मिट्टी कटाई ढुलाई के नाम पर लाखों रुपए का आहरण निर्माण कार्य होने से पहले ही आहरण कर लिया गया है जिसकी जानकारी सरपंच एवं सचिव देवाडाड के द्वारा सूचना के अधिकार से स्वयं जानकारी प्रदान किया गया है जिसमें एक ही नाम पर एक ही वर्ष आन्या ट्रेडर्स देवाडाड के अलग- अलग दिनांक और अलग अलग बिलों से मूलभूत एवं 15वें वित्त मद और 14 वे वित्त मद से लाखों रुपए की राशि फर्जी बिल से निकाल ली।

और जिस निर्माण कार्य की राशि का फर्जी बिल से आहरण किया गया है उस निर्माण कार्य को एक वर्ष बाद पूरा कराया गया है जिस निर्माण कार्य में लेवर जेसीबी ट्रैक्टर और निर्माण सामग्री ग्राम पंचायत देवाडाड में दिया गया है और निर्माण कार्य वाहनों से किया गया है उस राशि के लिए दो से तीन वर्षो से लोग सरपंच ग्राम पंचायत देवाडाड रमेश कुमार भगत के पीछे घूम कर थक गए हैं और अब मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर कलेक्टर से लगातार ग्रामीणों के द्वारा शिकायत पर शिकायत सरपंच रमेश कुमार भगत पर की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के द्वारा ग्राम पंचायतों में आडिट किया गया है तो आडिट करने वाले अधिकारियों को ग्राम पंचायत देवाडाड में एक ही फर्म आन्या ट्रेडर्स देवाडाड के फर्जी बिल जो लाखों रुपए के आहरण हुए वो क्या आडिट करने वाले अधिकारी को दिखाई नहीं दिया क्या ? आडिट करने वाले अधिकारियों को किसी फर्जी बिलो से कोई मतलब नहीं है उन्हें सिर्फ लक्ष्मी माता की पूजा से मतलब है? ऐसे में देखा जाए तो यहां के सरपंच- सचिव पंचायती राज व्यवस्था को ठेंगा दिखा रहे है और फर्जी बिल के सहारे सरकार को लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं मूलभूत, 14वें- 15वें वित्त आयोग के लाखों की राशि का जमकर दुरुपयोग किया है। बहरहाल ग्राम पंचायत का यह मामला कहीं न कही संबंधित विभाग में बैठे अधिकारियों की संलिप्तता और निष्क्रियता को भी दर्शाता है। इस संबंध में ग्राम पंचायत देवाडाड में पदस्थ सचिव हनुमत साहू से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि संरपच के द्वारा ग्राम पंचायत से निर्माण कार्य की राशि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही आहरण कर लिया गया है।*

एशियन गेम्स में महिला टीम ने पक्का किया पदक

बांग्लादेश को हराकर पहली बार फाइनल में बनाई जगह

हांगझोउ,24 सितम्बर 2023। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हांगझोउ में हो रहे एशियाई गेम्स के फाइनल मैच में जगह पक्की कर ली है। भारत और बांग्लादेश के बीच 24 सितंबर को सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था जिसमें भारत ने 8 विकेट से बांग्लादेश को मात दी है। बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत के लिए 52 रनों का आसान टारगेट दिया था।

भारतीय टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 8.2 ओवरों में ही इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। भारत की तरफ से जेमिमा रुद्राक्ष ने 20 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं एशियाई गेम्स के फाइनल में पहुंचने पर भारतीय टीम का सिल्वर पदक पक्का हो चुका है। अगर भारतीय टीमों फाइनल मुकाबले में जीती है तो वह गोल्ड मेडल विजेता बन जाएगी। भारतीय महिला टीम ने पहली बार एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बता दें कि फाइनल मुकाबले के लिए दूसरी प्रतिद्वंद्वी टीम का चयन अभी नहीं हो पाया है। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच होना है जिसके बाद जीतने वाली टीम का सामना भारतीय टीम के साथ होगा।

ऐसा रहा था मुकाबला

पूजा वस्त्राकर की शानदार गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को मात दी है। दाहिने हाथ की तेज गेंदबाज पूजा ने भारत से रवानगी से ठीक पहले टीम में अंजलि सरवानी की जगह ली थी। इस मैच में पूजा ने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट चटकाए और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम 17.5 ओवर में 51 रन पर आउट हो गई जो भारत के खिलाफ उसका न्यूनतम स्कोर है।

वस्त्राकर और टिटास साधु ने नयी गेंद से कहर बरपाते हुए बांग्लादेश के बल्लेबाजों को बांधे रखा। सिर्फ कप्तान निगार सुल्ताना (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। भारत ने 8 . 2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। कनिका आहूजा (नाबाद 1) और जेमिमा रौड्रिग्स (नाबाद 20) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। भारत ने कप्तान स्मृति मंधाना (सात) और शेफाली वर्मा (17) के विकेट गंवाये। भारतीय टीम नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के बिना खेल रही है जो दो मैचों का निलंबन झेल रही है।

हरमनप्रीत को कुछ महीने पहलेएक श्रृंखला में बांग्लादेशी अंपायरिंग की आलोचना करने के कारण निलंबन झेलना पड़ा था। वस्त्राकर ने पहली ही गेंद पर शाती रानी (0) को आउट करके बेहतरीन शुरूआत की। उन्होंने इसी ओवर में शमीमा सुल्ताना को पगबाधा आउट किया जबकि शोभना मोस्तारी भी टिक नहीं सकी। पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर पूजा ने भारत का शिकंजा कस दिया। टिटास ने उनका बखूबी साथ देते हुए सोरना अख्तर को बोल्ड किया। बीच के ओवरों में स्पिनरों ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दिया। कुछ बल्लेबाजों के रनआउट होने से बांग्लादेश की मुश्किलें और बढ गई।

एशियन गेम्स में पुरूष हॉकी टीम ने किया कमाल, भारत ने जीत के साथ की शुरूआत

हांगझोउ,24 सितम्बर 2023। भारत ने एशियाई खेलों की पुरूष हॉकी स्पर्धा में रविवार को उजबेकिस्तान को 16 . 0 से रौंदकर जीत के साथ आगाज किया। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक

विजेता दुनिया की तीसरे नंबर की टीम भारत के लिये यह पूल ए का बेमेल मुकाबला था। भारत की ओर से मनदीप सिंह (18वां, 27वां और 28वां मिनट), ललित उपाध्याय (सातवां, 24वां ,37वां और 53वां मिनट) , वरूण कुमार (12वां, 50वां और 52वां मिनट), अभिषेक (17वां) , सुखजीत सिंह (42वां), गुरजंत सिंह(42वां), नीलाकांता शर्मा (11वां),अमित रोहिदास (38वां) और संजय (57वां) ने गोल किये। भारत को अब 26 सितंबर को सिंगापुर से खेलना है।

भारत ने पहले ही दिन मेडल का जोरदार पंच जड़ा

भारतीय निशानेबाजों का शानदार आगाज,रमिता के नाम दो मेडल

हांगझोउ,24 सितम्बर 2023।

युवा भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल ने टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने के बाद 10 मीटर एयर राइफल में देश को एक और ब्रॉन्ज मेडल दिला दिया है। रमिता, जो दूसरे स्थान पर थीं एक शॉट से चूक गई और एक स्थान नीचे खिसक गई। हालांकि, इसके बाद 10.0, 10.5, 10.7, 10.8, 10,7 और 10.4 का स्कोर बनाया और 230.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। चीन की युटिंग हुआंग ने एशियाई खेलों के रिकॉर्ड 252.7 स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन जियायु हान ने 251.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। भारत ने एशियाई खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में पदकों की तलाश शुरू की, जिसमें युवा महिला निशानेबाज रमिता ने दो पदक जीतने में मुख्य भूमिका निभाई।

उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एक रजत और 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत वर्ग में एक कांस्य पदक जीता। रमिता अपने साथी मेहुली घोष और आशी चौकसे के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, जिनका कुल स्कोर 1896.6 था, जबकि मंगोलिया ने 1880.0 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। चीन ने कुल 1896.6 के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। रमिता ने 631.9 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ, मेहुली ने 630.0 के स्कोर और आशी ने 623.3 अंक के साथ स्पर्धा में रजत पदक जीता। रमिता ने जीत के बाद कहा, ÷यह खेल का हिस्सा है। आप एक खराब शॉट के बारे में ज्यादा नहीं सोच सकते और अपने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मैंने उस खराब शॉट के बाद बस यही किया और मैं सीनियर वर्ग में अपना पहला पदक जीतकर खुश हूं। रमिता, जिन्होंने 14 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की थी जब उनके पिता के एक दोस्त ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया था। उन्होंने कहा कि अब वह आगामी एशियाई चैंपियनशिप पर ध्यान केंद्रित करेंगी जहां उन्हें पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा स्थान जीतने का मौका मिलेगा। हालांकि पिछले महीने बाकू विश्व कप सीनियर स्तर पर रमिता का पहला अंतर्राष्ट्रीय आयोजन था, लेकिन भारत के लिए जूनियर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली युवा निशानेबाज ने कहा कि वह प्रतियोगिता के पहले दिन दो पदक जीतकर बहुत खुश हैं। हालांकि, 19 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उनका लक्ष्य लॉस एंजेलिस ओलंपिक में पदक जीतना है लेकिन वह अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगी।

रोइंग के फाइनल में पहुंचे भारत के बलराज

बोले- 'मां के लिए जीतना है मेडल'

हांगझोउ,24 सितम्बर 2023। भारत के बलराज पंवार एशियन गेम्स के रोइंग इवेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। 24 वर्षीय पंवार सेमीफाइनल एफ ए/बी2 में 7=22=22 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे और इस तरह से उन्होंने पदक की दौड़ में जगह बनाई। बलराज ने जब सिर्फ दो साल पहले एक कोच के सुझाव पर रोइंग को चुना, तो उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि वह एक दिन एशियाई खेलों के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय सेना का 24 वर्षीय सिपाही अब हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों में अपने पहले पदक की दौड़ में है, जिसने पुरुष एकल स्कल्स प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली है। बलराज ने 2020 में ही इस खेल को अपनाया जब भारतीय सेना के बंगाल इंजीनियर ग्रुप (बीईजी) के एक कोच ने उन्हें सुझाव दिया कि उनकी ऊंचाई (6 फीट) के कारण उन्हें नौकायन शुरू करना चाहिए। इस फैसले से उन्हें फायदा हुआ क्योंकि उन्होंने इंटर-बटालियन इवेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और इसके बाद अक्टूबर 2021 में पुणे में आर्मी रोइंग नोड में उतरे और वहां भी अच्छा प्रदर्शन किया। तब से बलराज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सीनियर नेशनल, गुजरात में राष्ट्रीय खेलों और स्विट्जरलैंड में विश्व चैंपियनशिप में भाग लेते हुए और मजबूत होते गए।

जुलाई 2023 में विश्व चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल से एक महीने पहले दिखाए गए जबरदस्त सुधार के आधार पर, पंवार को सतनाम सिंह के विकल्प के रूप में एशियाई खेलों की टीम में चुना गया। जिन्होंने डबल स्कल्स में भाग लेने का फैसला किया। उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें एशियाई खेलों के लिए बरकरार रखा गया है। हरियाणा के करनाल के 24 वर्षीय खिलाड़ी को अब पुरुष एकल स्कल्स में स्वर्ण जीतकर बजरंग लाल ठाकर द्वारा शुरू की गई परंपरा को जारी रखने की उम्मीद है। भारतीय सेना में कार्यरत 24 वर्षीय पंवार ने सेमीफाइनल में तीसरा स्थान हासिल करके फाइनल ए के लिए क्वालीफाई किया।

कोच राहुल द्रविड़ के बड़े बेटे समित का अंडर-19 टीम में हुआ सिलेक्शन

नई दिल्ली, 24 सितम्बर 2023। भारतीय टीम के मुख्य कोच और पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के बड़े बेटे समित का चयन वीनू मांकड़ टूर्नामेंट के लिए कर्नाटक की अंडर-19 टीम में हुआ है। समित अभी तक कर्नाटक की ओर से अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट खेल रहे थे, लेकिन अब उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट में भी दस्तक दे दी है।

हैदराबाद में वनडे टूर्नामेंट

वीनू मांकड़ वनडे टूर्नामेंट का आयोजन हैदराबाद में 12 से 20 अक्टूबर तक होगा। समित इससे पहले अंडर-14 स्तर पर कमाल दिखा चुके हैं। उन्होंने 2019-20 सत्र में दो दोहरे शतक लगाए थे। समित अपने पिता की तरह ज्यादा रक्षात्मक बल्लेबाजी नहीं करते हैं। वह आक्रामक बल्लेबाजी के लिए

जाने जाते हैं।

अच्छी गेंदबाजी करते हैं समित

इसके अलावा समित गेंदबाजी भी अच्छी करते हैं। वीनू मांकड़ टूर्नामेंट में कर्नाटक की टीम धीरज गौड़ा की अगुआई में खेलने उतरेगी, जबकि ध्रुव प्रभाकर टीम के उपकप्तान होंगे। समित के साथ टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जो इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

मैक्स वेरस्टैपेन ने आसानी से एफ 1 जापानी ग्रांड प्रिक्स जीता

टोकियो,24 सितम्बर 2023। मैक्स वेरस्टैपेन पहली लैप में नाटकीय ढंग से बच गए और फिर रविवार को जापानी ग्रां प्री में जीत हासिल की और अपनी लगातार तीसरी फॉर्मूला वन चैंपियनशिप हासिल करने के करीब एक कदम आगे बढ़ गए। रेड बुल ड्राइवर, जो एक सप्ताह पहले सिंगापुर में पोडियम पर पहुंचने से चूक गया था, उसने पोल से शुरुआत की और सीज़न की अपनी 13वीं जीत हासिल की। वेरस्टैपेन की जीत के साथ, रेड बुल ने कंस्ट्रक्टर्स का खिताब हासिल किया, जो उनका कुल मिलाकर छठा और लगातार दूसरा खिताब है। उन्होंने छह रेस शेष रहते हुए ऐसा किया। वेरस्टैपेन ने कहा, हमारा सीज़न कितना अविश्वसनीय है। आप सभी यहां ट्रैक पर और फैक्ट्री में बहुत गर्व महसूस कर सकते हैं। आप लोगों ने एक कार का रॉकेट जहाज बनाया, बहुत बढ़िया। मैकलेरन ड्राइवर लैंडो नॉरिस वेरस्टैपेन से 19.4 सेकंड पीछे दूसरे स्थान पर थे, जबकि उनके साथी ऑस्ट्रेलियाई नौसिखिया ऑस्कर पियास्त्री अपने पहले स्न1 पोडियम के लिए तीसरे स्थान पर थे। वेरस्टैपेन, जिन्होंने सबसे तेज़ लैप के लिए एक अंक भी हासिल किया, ने रेड बुल टीम के साथी सर्जियो पेरेज़ पर अपनी बढ़त 177 अंक तक बढ़ा दी। वह 6-8 अक्टूबर को कतर ग्रां प्री में अपना लगातार तीसरा खिताब जीत सकते हैं। वेरस्टैपेन, पियास्त्री और नॉरिस के व्हील-टू-व्हील चलने के साथ रेस की रोमांचक शुरुआत हुई, लेकिन रेड बुल ड्राइवर ने पहले दो टर्न में अपनी बढ़त बनाए रखी। वेरस्टैपेन ने शुरुआत में उत्साह पर टिप्पणी की।

वेरस्टैपेन ने कहा, सौभाग्य से कुछ नहीं हुआ। यह सब काफी करीब आ गया लेकिन यह दौड़ है, शुरुआत में यह इसी तरह चलता है। और फिर निश्चित रूप से आपको टर्न 1 और टर्न 2 में अच्छी लड़ाई मिली, मैं भाग्यशाली था कि टर्न 2 में मेरी पकड़ थोड़ी अधिक थी। पेरेज़ के लिए यह एक विनाशकारी दिन था, जिन्हें हास ड्राइवर केविन मैग्नेसेन को मारने के लिए जुर्माना दिया गया था और जुर्माना देने के बाद दौड़ से सेवानिवृत्त हो गए थे। मैक्सिकन ड्राइवर ने मार्च में सऊदी अरब और अप्रैल में अजरबैजान

में जीत हासिल की लेकिन तब से संघर्ष कर रहा है। वेरस्टैपेन ने अपनी रिकॉर्ड 10-रेस की जीत का सिलसिला सिंगापुर के मरीना बे में समाप्त होते देखा और पोडियम के शीर्ष पर वापस आने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ जापान आए। रविवार की दौड़ से पहले, उन्होंने तेज सुजुका सर्किट में हर सत्र का नेतृत्व किया, जहां उन्होंने पिछले साल की चैंपियनशिप को बारिश की कमी वाली दौड़ में पूरा किया। रविवार को स्थितियाँ आदर्श थीं और वेरस्टैपेन ने पूरा फायदा उठाया। सेफ्टी कार पहली लैप में बाहर आ गई जब अल्फ़ा रोमियो के ड्राइवर वाल्टेरी बोटास का दूसरी कार से संपर्क हुआ जिसके परिणामस्वरूप ट्रैक पर मलबा आ गया। वेरस्टैपेन अपने पहले पिट स्टॉप के बाद तेजी से बढ़त हासिल करने में सक्षम था और उसे कभी भी गंभीर चुनौती नहीं मिली। फेरारी के ड्राइवर चार्ल्स लेक्लर चौथे स्थान पर रहे, उसके बाद मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन रहे। मैकलेरन ड्राइवरों के बीच लड़ाई अंततः नॉरिस ने जीत ली। शुरुआत में ब्रितानी पियास्त्री से आगे निकल गया, नौसिखिया के एक आभासी सुरक्षा कार के नीचे फंसने के बाद वह पीछे रह गया और फिर स्थान बदलने के लिए पर्याप्त गति पैदा की। नॉरिस, जो सिंगापुर में भी दूसरे स्थान पर थे, ने कहा, ÷हमने जो प्रगति की है वह बहुत उत्कृष्ट है।÷ ÷हम रेड बुल के लिए आ रहे हैं।÷ पियास्त्री के लिए यह एक यादगार परिणाम था क्योंकि 22 वर्षीय ड्राइवर ने 2026 के अंत तक मैकलारेन के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया था। पियास्त्री ने कहा, ÷यह निश्चित रूप से एक बहुत ही विशेष सप्ताह रहा है।÷ ÷स्पष्ट रूप से विस्तार की घोषणा और फिर आज अग्रिम पंक्ति और पहले पोडियम पर क्वालीफाई करने के साथ यह निश्चित रूप से एक मजेदार सप्ताह रहा है।÷ पिछले सप्ताह के विजेता कार्लोस सैन्ज़ जूनियर फेरारी के लिए छठे स्थान पर रहे, अन्य मर्सिडीज में जॉर्ज रसेल से आगे रहे। एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो आठवें स्थान पर रहे, उसके बाद अल्पाइन के एस्टेबन ओकन और उनके साथी पियरे गैस्ली शीर्ष दस में रहे, जो अंकों के साथ समाप्त हुए। अपनी कारों के नौवें और 11वें स्थान पर शुरू होने के साथ, अल्फ़ाटौरी शुरुआत में अंक के दावेदार थे, लेकिन दौड़ विकसित होने के साथ-साथ फीके पड़ गए। लियाम लॉसन 11वें स्थान पर रहे जबकि स्थानीय पसंदीदा युकी सूनोडा 12वें स्थान पर रहे।

सुमित नागल प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

हांगझोउ,24 सितम्बर 2023। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रविवार को यहां मकाऊ के हो टिन मार्को लेउंग के खिलाफ बिना कोई गेम गंवाए एशियाई खेलों के पुरुष एकल में एकतरफा जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पांचवें वरीय नागल को पहले दौर में बाई मिला था और दूसरे दौर का उनका यह मैच पहले ही काफी आसान माना जा रहा था क्योंकि प्रतिद्वंद्वी के पास एटीपी की रैंकिंग भी नहीं है।

एटीपी रैंकिंग में 159वीं रैंकिंग पर काबिज नागल ने महज 45 मिनट में 6-0, 6-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की।

एनिमल से जारी हुआ अनिल कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की अगली फिल्म एनिमल को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त हाइप बना हुआ है। रणबीर कपूर स्टारर एनिमल का हर कोई बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अब तक इस मूवी से रणबीर के लुक सामने आ चुके हैं, जिनको देखकर फैंस की एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर रखा है। अब एनिमल से हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार अनिल कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर रिवील किया गया है। साथ ही एनिमल के टीजर रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट दिया गया है।

धमाकेदार एक्शन पैकेज थ्रिलर एनिमल को लेकर लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। रणबीर कपूर का दमदार लुक इस फिल्म से पहले फैंस का दिल जीत चुका है। अब इस कड़ी में अनिल कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म एनिमल से अनिल कपूर के फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है।

इस पोस्टर में आप देख सकते हैं कि अनिल बेहतरीन लुक में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर के साथ तरण ने इस बात की जानकारी भी दी है कि आने वाले 28 सितंबर को सुबह 10 बजे एनिमल का टीजर रिलीज किया जाएगा। इस न्यूज को सुनकर फैंस की उत्सुकता बढ़ गई है।

इसी पोस्टर को अनिल कपूर ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया है और लिखा है कि- एनिमल का बाप, बलवीर सिंह। सोशल मीडिया पर अनिल के इस लुक की काफी तारीफ की जा रही है।

बीते साल रणबीर कपूर ने ब्रह्मास्त्र फिल्म के जरिए काफी वाहवाही लूटी। फिल्म में रणबीर का एक्शन अंदाज काफी पसंद किया गया और मूवी ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। ऐसे में अब फैंस रणबीर की आने वाली फिल्म एनिमल के लिए बेकरार हैं। यूं तो एनिमल बीते 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म को नई रिलीज डेट मिल गई है और अब एनिमल 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

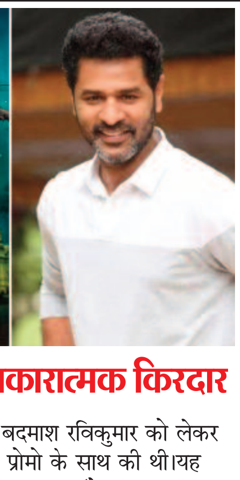

बदमाश रविकुमार में प्रभुदेवा निभाएंगे नकारात्मक किरदार

हिमेश रेशमिया पिछले लंबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म बदमाश रविकुमार को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसकी घोषणा उन्होंने पिछले साल एक प्रोमो के साथ की थी।यह फिल्म एक्शन से भरपूर होगी, जिसमें हिमेश अहम भूमिका में नजर आएंगे।ताजा खबर यह है कि बदमाश रविकुमार में हिमेश की भिड़ंत प्रभुदेवा से होगी। फिल्म में वह नकारात्मक किरदार निभाते नजर आएंगे।दिलचस्प बात यह है कि प्रभुदेवा पहली बार हिंदी फिल्म में खलनायक अवतार में दिखाई देंगे।

हिमेश ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर बदमाश रविकुमार का पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।यह फिल्म अगले साल दशहरा के खास मौके पर यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।बता दें, हिमेश हिंदी सिनेमा के सबसे सफल संगीतकारों में से एक हैं और उन्होंने आप का सुरूर के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। नवंबर 2022 में, हिमेश ने एक शीर्षक घोषणा टीज़र के साथ फिल्म की घोषणा की। नई किस्त उनकी हिट फिल्म द एक्सपोज से उनके प्रतिष्ठित चरित्र रवि कुमार का स्पिन ऑफ है, यह फिल्म एक एक्शन म्यूजिकल एंटरटेनर है जिसमें उनका मुकाबला 10 सनसनीखेज खलनायकों से है।

एक बयान के अनुसार, 1970 के दशक के ग्लैमरस और जीवन से भी बड़े युग पर आधारित, यह फिल्म एक संगीतमय एक्शन मनोरंजक फिल्म होगी जिसमें शानदार गाने और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशकों द्वारा डिजाइन किए गए कुछ बहुत ही हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे।

रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव का दूसरा सिंगल वीडू रिलीज

रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित पैन इंडियन फिल्म, टाइगर नागेश्वर राव, दशहरा 2023 के दौरान अपनी भव्य शुरुआत करने के लिए तैयार है। अपने वादे को पूरा करते हुए, फिल्म निर्माताओं ने अब फिल्म का दूसरा एकल, जिसका शीर्षक वीदु है, का अनावरण किया है। यह गाना फिल्म में

रवि तेजा के चरित्र का एक शक्तिशाली प्रदर्शन है। गीतकार चंद्रबोस ने अपने प्रभावशाली गीतों के माध्यम से नायक की खतरनाक प्रकृति को कुशलता से व्यक्त किया है, जिसे अनुराग कुलकर्णी के ऊर्जावान स्वरों ने जीवंत कर दिया है। जीवी प्रकाश ने इस प्रभावशाली दूसरे एकल में ठोस बीट्स का योगदान दिया।गीतात्मक वीडियो गाने में दिखाए गए तीव्र एक्शन दृश्यों का संकेत देता है। संगीत और गीत के अलावा, शानदार प्रोडक्शन डिज़ाइन और सिनेमैटोग्राफी एक अमिट छाप छोड़ती है। नूपुर सेनन और गायत्री भारद्वाज मुख्य नायिका के रूप में चमकती हैं।

फिल्म में प्रतिभाशाली कलाकारों की टोली है, जिनमें अनुपम खेर, रेनू देसाई, नासर, जिशु सेनगुप्ता, सुदेव नायर, मुरली शर्मा और हरीश पेराडी शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। टाइगर नागेश्वर राव अभिषेक अग्रवाल द्वारा निर्मित और वामसे द्वारा लिखित और निर्देशित एक मास-एक्शन ड्रामा है। 2023 में इस दशहरा उत्सव के लिए अपने कैलेंडर चिह्नित करें!

CMYK

अब घर का सपना साकार
कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

आवास न्याय सम्मेलन

25 सितम्बर 2023, दोपहर 2 बजे
फायर एवं एसडीआरएफ मैदान, परसदा (सकरी)
विकासखंड तखतपुर, बिलासपुर

माननीय सांसद
श्री राहुल गांधी जी
की गरिमामयी उपस्थिति में

- छत्तीसगढ़ ग्रामीण आवास न्याय योजना के **30,000 हितग्राहियों** को आवास स्वीकृति पत्र का वितरण
- पीएमएवाय (ग्रामीण) के **1 लाख हितग्राहियों** को **25-25 हजार रु** के मान से प्रथम किस्त का वितरण
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के **500 हितग्राहियों** को **1-1 लाख रु** की राशि का वितरण
- विभिन्न जिलों के **2,594 शिक्षकों** को नियुक्ति पत्र
- नगरीय क्षेत्रों में **1,117 वन अधिकार पत्रों** का वितरण
- बिलासपुर जिले में **524.33 करोड़ रु** की लागत वाले 185 विकास व निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

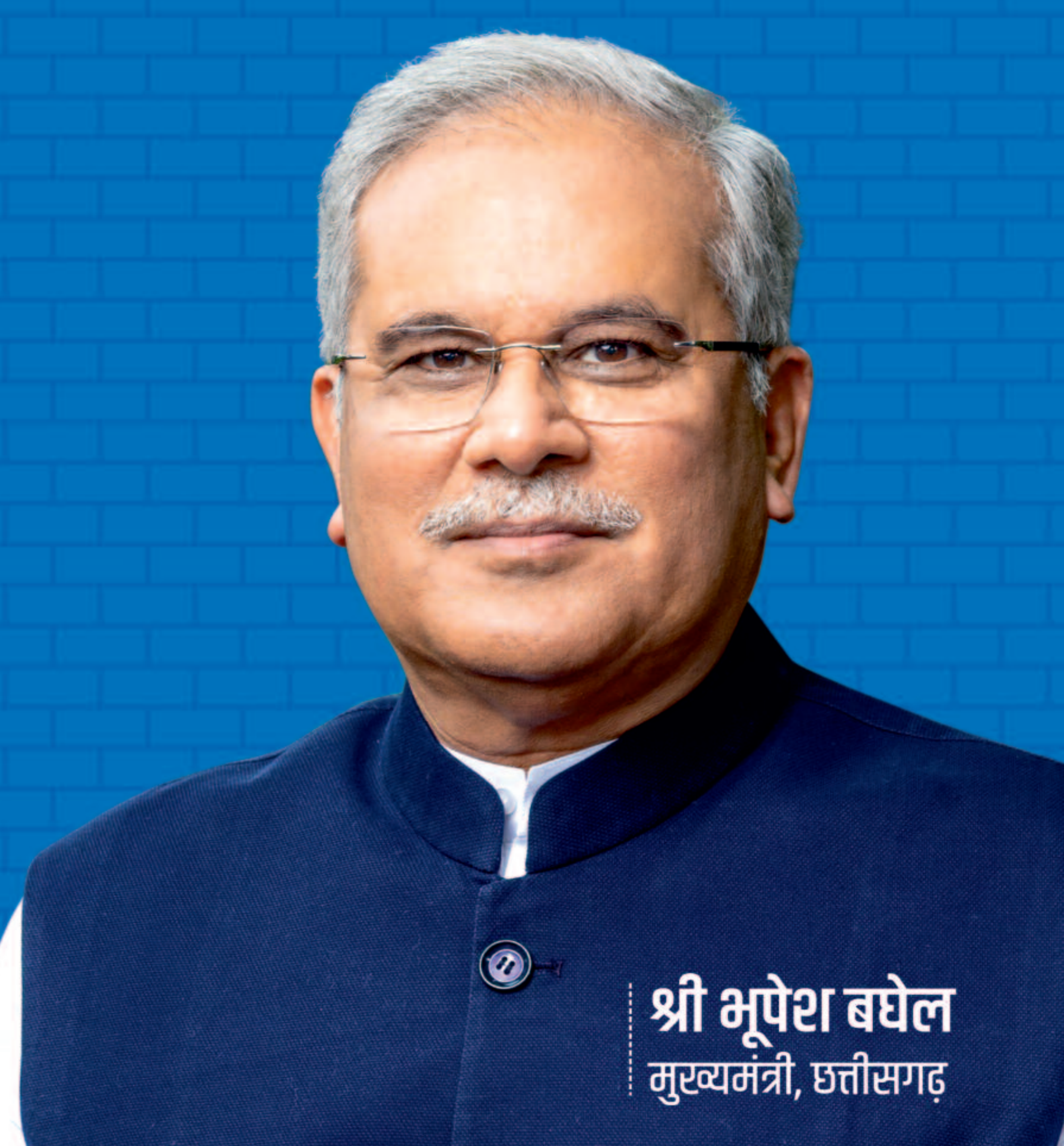

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 38653/74

छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)